आश्विन शुक्ल - 4 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 63 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 25-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री के 'दोस्त' ट्रंप भारत को अनेक संकट में डाल रहे हैं : खरगे

6 शक्ति और साहस का पर्व है नवरात्रि

7 राजकुमारी कनकवती की भूमिका में नजर आएंगी रुक्मिणी वसंत

फर्स्ट टेक

कतर में भी यूपीआई के जरिये भुगतान सेवा की शुरुआत

नई दिल्ली/भाषा। अब भारतीय यात्री कतर में भी यूपीआई के जरिये भुगतान कर सकेंगे। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने कतर नेशनल बैंक (क्यूएनबी) के साथ मिलकर इस सुविधा की शुरुआत की है। इस पहल के तहत क्यूएनबी से जुड़े दुकानदार और नेटस्टार्स के भुगतान समाधान का इस्तेमाल करने वाली पॉइंट-ऑफ-सेल मशीनों पर यूपीआई क्यूआर कोड से भुगतान किया जा सकेगा। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने बुधवार को बयान में कहा कि 'कतर ड्यूटी फ्री' की दुकानें इस सुविधा का इस्तेमाल करने वाले शुरुआती प्रतिष्ठान हैं। धीरे-धीरे यह सुविधा अन्य प्रमुख पर्यटक स्थलों और बाजारों में भी उपलब्ध होगी। कतर आने वाले अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों में भारतीय यात्री दूसरे स्थान पर हैं। नई सुविधा से उन्हें नकदी रखने और मुद्रा बदलने की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। एनआईपीएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रितेश शुक्ला ने कहा, यह साझेदारी यूपीआई की वैश्विक स्वीकृति बढ़ाने और एक अंतरराष्ट्रीय भुगतान नेटवर्क बनाने की दिशा में अहम कदम है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में जाफर एक्सप्रेस पर हमला

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में जाफर एक्सप्रेस पर हुए बम विस्फोट में महिलाओं और बच्चों समेत 10 से अधिक लोग घायल हो गए। क्वेटा जाने वाली जाफर एक्सप्रेस को मंगलवार को मस्तुंग के स्पिजेंड इलाके में निशाना बनाया गया। इस साल मार्च से इस ट्रेन को कई बार निशाना बनाया जा चुका है। यह उसी क्षेत्र में 10 घंटे में हुआ दूसरा विस्फोट था। इससे पहले सुबह, बलूचिस्तान को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली मुख्य रेल लाइन के पास एक विस्फोट हुआ था। विस्फोट ठीक उसी समय हुआ था जब पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस क्वेटा रेलवे स्टेशन से रवाना होने वाली थी। ट्रेन को कुछ देर के लिए रोका गया, लेकिन सुरक्षा मंजूरी के बाद उसे आगे बढ़ने दिया गया, क्योंकि पटरी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था।

इंदौर के हवाई अड्डे पर यात्री को 'चूहे' ने काटा

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर के एक सरकारी अस्पताल में चूहों के हमले के बाद दो नवजात लड़कियों की मौत का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि स्थानीय हवाई अड्डे पर एक यात्री को कथित तौर पर इसी जानवर के काटने की घटना सामने आई है। अधिकारियों ने बताया कि इंदौर से बेंगलूरु जा रहे एक पुरुष यात्री को मंगलवार को स्थानीय हवाई अड्डे के प्रस्थान क्षेत्र में कथित तौर पर चूहे ने काट लिया।

24-09-2025 सूर्यास्त 6:02 बजे	25-09-2025 सूर्योदय 5:58 बजे

BSE	NSE
81,715.63 (-386.47)	25,056.90 (-112.60)

सोना	चांदी
11,525 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	144,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

उलटबांसी

बहरों की सभा सुन रही है,
गूंगे अब गाते मधुर गान।
लूले मैराथन जीत रहे,
बाबाजी देते अतुल दान।
गुणवान सड़क पर घूम रहे,
हो रहा ढपोरों का बखान।
भ्रष्टाचारी निर्द्वंद्व फिरे,
फिर भी अपना भारत महान।।

आरक्षण की 50 फीसदी सीमा तोड़ेंगे : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ 'अतिपिछड़ा न्याय संकल्प' जारी करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, न्याय संकल्प में जो 10 घोषणाएं की गई हैं, उनकी गारंटी मेरी है।

पटना/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि देश में आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को तोड़ा जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान पर लगातार हमला हो रहा है और पूरे देश में लोगों के हक छीने जा रहे हैं। यहां 'अतिपिछड़ा न्याय संकल्प' जारी करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, न्याय संकल्प में जो 10 घोषणाएं की गई हैं, उनकी गारंटी मेरी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा में उन्होंने दो बातें रखी थीं-पहली, सामाजिक न्याय के लिए 50 फीसदी आरक्षण की दीवार को तोड़कर फेंक दिया जाएगा तथा दूसरी, देश में पिछड़े, अतिपिछड़े और दलितों को उचित भागीदारी नहीं मिली है, इसके लिए जाति-जनगणना कराई जाएगी। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने डर कर जाति-जनगणना की बात मान ली है।

गांधी ने कहा कि यह संकल्प अतिपिछड़ों की आवाज है और इसे लागू किया जाएगा। उन्होंने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्य में 20 वर्षों से सरकार में रहते हुए भी जनता दल (यू) के नेता ने अतिपिछड़ों के लिए कुछ नहीं किया।

कांग्रेस नेता ने कहा, नीतीश कुमार ने आपसे वोट लिया और बाद में आपको इस्तेमाल कर किनारे कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान को मानने वाली पार्टी है, जबकि भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है। गांधी ने संवाद के दौरान 'हाइड्रोजन बम' का भी उल्लेख किया और कहा कि यह ''जल्द आने वाला है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 'अतिपिछड़ा न्याय संकल्प' को कांग्रेस का पूरा समर्थन है।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने अपने संबोधन में कहा कि 17 महीने की महागठबंधन सरकार के दौरान आरक्षण की सीमा 65 फीसदी की गई थी और केंद्र को इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करने का प्रस्ताव भेजा गया था, लेकिन मांग नहीं मानी गई।

भारतीय कला निरंतर विकसित हो रही है और नए आयाम प्रस्तुत कर रही है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 20 कलाकारों को ललित कला अकादमी राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को 20 कलाकारों को ललित कला अकादमी राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया और कहा कि कला सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने तथा समाज को अधिक संवेदनशील बनाने का एक सशक्त माध्यम है। पुरस्कार समारोह के साथ ही अकादमी में 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का समापन भी हुआ, जिसमें चित्रकला, मूर्तिकला, फोटोग्राफी और इंस्टालेशन जैसे विषयों में देश भर से 283 कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं।

मुर्मू ने कहा, भारतीय परंपरा में कला को आध्यात्मिक साधना का एक रूप माना गया है। हमारे समाज में कलाकारों को विशेष सम्मान दिया जाता है। आपकी कला न केवल सौंदर्य अभिव्यक्ति का माध्यम है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने और समाज को अधिक संवेदनशील बनाने का एक सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में दिखायी कलाकृतियों से यह स्पष्ट है कि भारतीय कला निरंतर विकसित हो रही है और नए आयाम प्रस्तुत कर रही है।

मुर्मू ने कहा, हमारे कलाकार अपने विचारों, दृष्टि और रचनात्मकता के माध्यम से एक नए भारत की छवि प्रस्तुत कर रहे हैं।

अभिषेक शर्मा, एस. सोनम ताशी, विजय एम ढोरे, भास्कर जॉयती गोगोई, आशीष घोष, गिरिराज शर्मा, आनंद जयसवाल, केसीएस प्रसन्ना, कनु प्रिया, तापती भौमिक मजूमदार और वेणुगोपाल वीजी सहित सम्मानित कलाकारों को दो लाख रुपए की पुरस्कार राशि, एक स्मृति चिह्न और एक प्रमाण पत्र दिया गया।

यह पहली बार है जब ललित कला अकादमी ने कलाकारों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रदर्शित कलाकृतियों को बिक्री के लिए रखा।

राष्ट्रपति ने कहा कि कलाकृतियों का उचित मूल्यांकन उन लोगों को प्रेरित करेगा, जो कला को पेशे के रूप में अपनाना चाहते हैं।

मुर्मू ने कहा, अपनी कला को मूर्त रूप देने के लिए कलाकारों को अपना समय, ऊर्जा और संसाधन समर्पित करने चाहिए। कलाकृतियों का उचित मूल्यांकन न केवल कलाकारों को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि उन लोगों को भी प्रेरित करेगा जो कला को एक पेशे के रूप में अपनाना चाहते हैं।

भारत 'हमारे साथ ही है' : जेलेंस्की

वाशिंगटन/भाषा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि भारत हमारे साथ ही है और उम्मीद जताई कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप से नई दिल्ली का रूसी ऊर्जा क्षेत्र के प्रति रवैया बदलेगा। जेलेंस्की 'फॉक्स न्यूज' के साथ एक साक्षात्कार के दौरान यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में चीन और भारत की भूमिका के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। अमेरिका अक्सर भारत और चीन पर रूसी हथियार खरीदने का आरोप लगाता रहा है, जिसके बारे में राष्ट्रपति ट्रंप का दावा है कि यह हथियार यूक्रेन के खिलाफ मास्को के युद्ध में उसे धन मुहैया कराते हैं। जेलेंस्की ने कहा, मुझे लगता है कि भारत मुख्य रूप से हमारे साथ है। हां, हमारे पास ऊर्जा को लेकर कुछ सवाल हैं, लेकिन मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप यूरोपीय (देशों) के साथ मिलकर इसे प्रबंधित कर सकते हैं तथा भारत के साथ अधिक मजबूत और करीबी संबंध बना सकते हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, और मुझे लगता है कि हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए ताकि भारतीयों को पैर पीछे नहीं खींचने पड़े और वे रूसी ऊर्जा क्षेत्र के प्रति अपना रुख बदलेंगे।

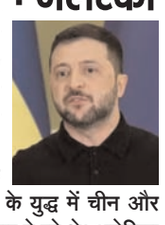

आतंकवादियों को पनाह देने के बजाय अर्थव्यवस्था पर ध्यान दे पाक : भारत

जेनेवा/भाषा। भारत ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए विस्फोट में 24 लोगों की मौत का हवाला देते हुए कहा कि पड़ोसी मुल्क को आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने के बजाय अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और मानवाधिकार रिकॉर्ड सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। जेनेवा में भारत के स्थायी मिशन के काउंसलर क्षितिज त्यागी ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के खिलाफ निराधार बयानबाजी के लिए पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की आलोचना की।

त्यागी ने जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 60वें नियमित सत्र में मंगलवार को कहा, एक प्रतिनिधिमंडल भारत के खिलाफ निराधार और भड़काऊ बयानबाजी करके इस मंच का दुरुपयोग कर रहा है।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का जिक्र करते हुए त्यागी ने पाकिस्तान से ''उसके अवैध कब्जे'' वाले भारतीय क्षेत्र को खाली करने को कहा। उन्होंने कहा, हमारे क्षेत्र पर गलत नजर डालने के बजाय उन्हें भारत के उस क्षेत्र को खाली करना चाहिए, जिस पर उन्होंने अवैध कब्जा किया हुआ है।

खैबर पख्तूनख्वा में हुई घटना का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए त्यागी ने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने से फुर्सत मिले तो उसे अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और मानवाधिकार रिकॉर्ड सुधारने पर ध्यान देना चाहिए।

30 इनामी माओवादियों समेत 71 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा/भाषा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 71 माओवादियों ने सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है जिनमें से 30 नक्सलियों पर कुल 64 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बस्तर संभाग में चलाये जा रहे आत्मसमर्पण तथा पुनर्वास अभियान 'पूना मारगेम' (पुनर्वास से पुनर्जीवन) और दंतेवाड़ा जिले में चलाए जा रहे 'लोन वर्राटू' (घर वापस आईये) अभियान से प्रभावित होकर कुल 64 लाख रुपए के 30 इनामी माओवादियों सहित 71 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें 21 महिला माओवादी भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में प्लाटून नंबर दो में डिप्टी कमांडर बामन मड़काम (30) और कंपनी नंबर एक की सदस्य मनकी उर्फ समीला मंडावी (20) के सिर पर आठ-आठ लाख रुपए का इनाम है। उन्होंने बताया कि वहीं जनमिलिशिया कमांडर शमिला उर्फ सोमली कवासी (25), एरिया कमेटी सदस्य गंगी उर्फ रोहनी बारसे (25), संतोष मंडावी (30) और देवे उर्फ कविता माड़वी (25) के सिर पर पांच-पांच लाख रुपए का इनाम है।

हिंसा के बाद लेह में निषेधाज्ञा लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर जारी आंदोलन के हिंसक रूप लेने के बाद बुधवार को प्रशासन ने लद्दाख के लेह जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी। निषेधाज्ञा के तहत पांच या इससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि लेह में हिंसक झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। 'लेह एपेक्स बॉडी' (एलएबी) के नेतृत्व वाला आंदोलन तब हिंसक हो गया जब प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालय और कई वाहनों में आग लगा दी और सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए।

लद्दाख की राजधानी में पूर्ण बंद के बीच आग की लपटें और काला धुआं देखा जा सकता था।

लेह के जिला मजिस्ट्रेट रोमिल सिंह डोंक ने निषेधाज्ञा आदेश जारी कर कहा कि इस आदेश का कोई भी उल्लंघन होने पर बीएनएस की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि बीएनएसएस की धारा 163 के तहत सक्षम प्राधिकारी की पूर्व लिखित स्वीकृति के बिना कोई जुलूस, रैली या मार्च नहीं निकाला जायेगा।

ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र को 'नाकारा' बताया, यूरोप को चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को विश्व निकाय को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र की आलोचना की और उसे एक नाकारा संस्था बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका के अपने नेतृत्व में उठाए गए कदमों की सराहना की और साथ ही चेतावनी दी कि यदि यूरोप गलत प्रवासी और हरित ऊर्जा नीतियों से पीछे नहीं हटता तो उसका विनाश हो जाएगा।

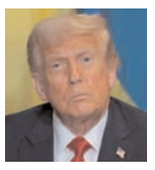

संयुक्त राष्ट्र महासभा में लगभग एक घंटे लंबे अपने भाषण में ट्रंप ने शिकायतों और आत्म-प्रशंसा से भरे लहजे में न केवल अपने दूसरे कार्यकाल की उपलब्धियों का बखान किया, बल्कि यह भी कहा कि कुछ विश्व नेताओं के देशों की हालत ''नरक जैसी'' हो रही है। ट्रंप ने वैश्विक संस्था की निष्क्रियता की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह खोखले शब्दों से भरी है जो युद्धों का समाधान नहीं करती। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य क्या है? संयुक्त राष्ट्र में अपार संभावनाएं हैं। मैंने हमेशा यह कहा है। इसमें बेहद बड़ी संभावनाएं हैं। लेकिन यह उन संभावनाओं को पूरा करने के करीब भी नहीं पहुंच रहा।

बहरहाल, बाद में ट्रंप ने कुछ राजनयिकों की आशंकाओं को दूर करने की कोशिश की और संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष नेता को यह आश्वासन दिया कि अपनी पहले की आलोचनाओं के बावजूद अमेरिका वैश्विक निकाय का ''100 प्रतिशत'' समर्थन करता है। ट्रंप ने अपनी सरकार की उन नीतियों का बखान किया जिनके तहत अमेरिका में तेल और प्राकृतिक गैस की खुदाई को बढ़ावा दिया गया।

सीबीएसई कक्षा 10, 12 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से आयोजित करेगा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) अगले साल 17 फरवरी से कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करेगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह घोषणा की। बोर्ड ने महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए एक अस्थायी 'डेटशीट' की घोषणा की। यह पहली बार है कि कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं एक शैक्षणिक सत्र में दो बार आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, पहला संस्करण 17 फरवरी से छह मार्च, 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जबकि दूसरा संस्करण 15 मई से एक जून तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से नौ अप्रैल, 2026 तक आयोजित की जाएंगी। भारद्वाज ने कहा, सामान्य दिशानिर्देश के अनुसार, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन प्रत्येक विषय की परीक्षा के लगभग 10 दिन बाद शुरू होगा।

KIIT
KALINGA INSTITUTE OF INDUSTRIAL TECHNOLOGY (KIIT)
Deemed to be University
(Established U/S 3 of UGC Act 1956), Bhubaneswar, Odisha, India

21ST ANNUAL CONVOCATION 2025

Date: 26th - 28th September, 2025 | Venue: KIIT Campus 3 (Kathajodi)

Graced by

Prof. Mohan Munasinghe
Nobel Laureate, Sri Lanka — 26th Sept. 2025

Justice Abdulqawi Ahmed Yusuf
Judge, International Court of Justice (ICJ), The Hague

Justice Dalveer Bhandari
Judge, International Court of Justice (ICJ), The Hague — 27th Sept. 2025

H.E. Ouided Bouchamaoui
Nobel Laureate, Tunisia — 28th Sept. 2025

This year, the KIIT Convocation will be held over three days from 26th - 28th September 2025, discipline-wise, to facilitate greater participation of students and parents.

Website: www.kiit.ac.in | Email: kiit@kiit.ac.in

वैश्विक कारकों से किसानों को नहीं मिल पाता फसलों का उचित मूल्य : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार को उन किसानों का समर्थन करना चाहिए जिन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है क्योंकि यह दाम वैश्विक कारकों से तय होता है।

गडकरी ने 'भारत जैव-ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो के दूसरे संस्करण' को संबोधित करते हुए कहा कि चीनी की कीमत ब्राजील, तेल की कीमत मलेशिया, मक्के की कीमत अमेरिका और सोयाबीन की कीमत अर्जेंटीना से प्रभावित होती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम ग्रामीण और आदिवासी भारत में गरीबी एवं बेरोजगारी की समस्याओं का सामना कर रहे हैं क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में किसानों को अच्छे मूल्य नहीं मिल रहे हैं।

गडकरी ने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत जनसंख्या कृषि गतिविधियों में लगी हुई है लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उनका योगदान महज 14 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, ऐसे परिदृश्य में, हमारी ग्रामीण कृषि और आदिवासी अर्थव्यवस्था को बचाकर रखने के लिए, हमें कृषि का समर्थन करने की जरूरत है... जो उपभोक्ता, देश और आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, किसानों को अपनी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण कई आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

गडकरी ने कहा कि जब सरकार ने मक्के से बायो-एथेनॉल बनाने की मंजूरी दी तो मक्के की कीमत 1,200 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,800 रुपए प्रति क्विंटल हो गई। उन्होंने कहा कि मक्के से एथेनॉल का उत्पादन करके किसानों ने 45,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त कमाई की है। उन्होंने कहा, इस तरह देखें तो ऊर्जा और बिजली क्षेत्र की ओर कृषि का विविधीकरण हमारे देश की ज़रूरत है। वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन का भारत में भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा, फिलहाल हम ऊर्जा के आयातक हैं। वह दिन भी आएगा जब हम ऊर्जा के निर्यातक होंगे। यह देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि होगी।

देश में वायु प्रदूषण का जिक्र करते हुए गडकरी ने कहा कि 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण परिवहन ईंधन के कारण होता है और यह देश, खासकर दिल्ली के लिए एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि भारत हर साल 22 लाख करोड़ रुपए मूल्य के जीवाश्म ईंधन का आयात करता है जिससे वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, आर्थिक और प्रदूषण दोनों ही नजरिये से, यह दुनिया और भारत के लिए जैव ईंधन और वैकल्पिक ईंधन को प्रोत्साहित करने का समय है। गडकरी ने कहा कि उनका लक्ष्य भारत को टिकाऊ विमानन ईंधन के क्षेत्र में भी अग्रणी बनाना है।

लेह में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प में 4 लोगों की मौत, 30 घायल : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। लद्दाख के लेह शहर में बुधवार को लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) द्वारा प्रायोजित बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प में चार लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे प्रदर्शनकारियों ने हिंसा की और भाजपा कार्यालय तथा कई वाहनों पर हमला किया, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को गोलीबारी करनी पड़ी। झड़पों में चार लोग मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस की गोलीबारी में चार लोग मारे गए। राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग के समर्थन में 10 सितंबर से 35 दिनों की भूख हड़ताल पर बैठे 15 लोगों में से दो की मंगलवार शाम हालत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसके बाद लद्दाख एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा शाखा ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

भारत, अमेरिका के बीच विभिन्न स्तरों पर व्यापार वार्ता जारी : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और गैर-व्यापार दोनों मुद्दों पर विभिन्न स्तरों पर बातचीत हो रही है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार वार्ता के लिए एक प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका यात्रा पर हैं। प्रतिनिधिमंडल में विशेष सचिव एवं भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

अधिकारी ने कहा, विभिन्न स्तरों पर बातचीत हो रही है। उन्होंने बताया कि मंत्री के नेतृत्व दल के इस सप्ताह के अंत में अमेरिका से लौटने की उम्मीद है। भारत में अमेरिकी मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच और अग्रवाल के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हाल ही में संपन्न हुई एक दिवसीय चर्चा की पृष्ठभूमि में यह यात्रा हो रही है। वाणिज्य मंत्रालय ने 16 सितंबर को कहा था कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिकी दल के साथ दिनभर चली चर्चा सकारात्मक रही और दोनों पक्ष समझौते को शीघ्र एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी बनाने के लिए प्रयास करने पर सहमत हुए। अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत शुल्क और अतिरिक्त 25 प्रतिशत जुर्माना लगने के बाद अमेरिकी अधिकारियों की भारत की यह पहली यात्रा थी। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों के नेताओं ने अधिकारियों को प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत करने का निर्देश दिया था। समझौते के पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु (अक्टूबर-नवंबर) तक पूरा करने की योजना थी। अब तक पांच दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं। इस समझौते का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान के 191 अरब अमेरिकी डॉलर से दोगुना से भी अधिक बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है।

गोयल ने व्यापार वार्ता के लिए मई की शुरुआत में भी वाशिंगटन की यात्रा की थी। उन्होंने वाशिंगटन में अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के साथ विचार-विमर्श किया। वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा जिसका द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब अमेरिकी डॉलर (86.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात) रहा।

भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और देश के कुल वस्तु व्यापार में 10.73 प्रतिशत है।

राउत खोखली बातें करते हैं जबकि महायुति नेता किसानों के साथ खड़े हैं : भाजपा

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई ने बुधवार को कहा कि महायुति के मंत्री और नेता जब मराठावाड़ा में आयी बाढ़ से प्रभावित किसानों के साथ काम कर रहे थे, तब शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ''मुंबई में बैठकर खोखली बातें कर रहे थे। प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रमुख नवनाथ बान ने बातचीत में दावा किया कि जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे तो ''किसानों से कालीन पर मुलाकात की जाती थी, लेकिन महायुति के मंत्री अब उनके साथ कीचड़ में खड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि ठाकरे मराठवाड़ा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने से हिचक रहे हैं। बान ने आरोप लगाया, यह क्षेत्र तीन दिनों से कष्ट झेल रहा है। ठाकरे चौथे दिन जा रहे हैं। अगर यह लंदन की यात्रा होती, तो वह पहले दिन ही चले जाते। उन्हें विदेशी दौरे आकर्षित करते हैं, किसानों की पीड़ा नहीं। पिछले कुछ दिनों से मराठवाड़ा क्षेत्र और महाराष्ट्र के कई अन्य हिस्सों में भारी बारिश हो रही है, जिससे व्यापक क्षति हुई है।

सरकार गेहूं उत्पादों के निर्यात की मांग पर 'सकारात्मक' ढंग से विचार करेगी : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को कहा कि सरकार आटा और सूजी जैसे गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति देने की उद्योग जगत की मांगों पर 'सकारात्मक' ढंग से विचार करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफएमएफ) की 85वीं वार्षिक आम बैठक में जोशी ने कहा कि निर्यात संबंधी निर्णयों में कई मंत्रालय शामिल होते हैं और उन्होंने अगले वर्ष के गेहूं उत्पादन पर विचार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

जोशी ने कहा, उपभोक्ता हित और खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, हम इस पर सकारात्मक रूप से विचार करेंगे। उन्होंने कहा, सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है। चीन के बाद दुनिया के दूसरे सबसे बड़े गेहूं उत्पादक देश भारत ने घरेलू खाद्य सुरक्षा, कम फसल और बढ़ती मुद्रास्फीति की चिंताओं के कारण वर्ष 2022 में गेहूं और उसके बाद गेहूं उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब देश ने रबी सत्र 2024-25 में 11.75 करोड़ टन का रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन किया है। जोशी ने कहा, आप (गेहूं उत्पादों के) निर्यात की मांग कर रहे हैं। हम देखेंगे। हम आश्वासन नहीं दे सकते क्योंकि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता खाद्य सुरक्षा है। उन्होंने तमिलनाडु मंत्री के हालिया अनुरोध का हवाला देते हुए दक्षिणी राज्यों में चावल की तुलना में गेहूं की अधिक मांग का भी उल्लेख किया।

मोती सीपों का एंटी-बैक्टीरिया वायरस से उपचार एंटीबायोटिक मुक्त विकल्प : पद्मश्री अजय सोनकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पद्मश्री से सम्मानित समुद्री जीवविज्ञानी अजय कुमार सोनकर ने कहा है कि बैक्टीरियोफेज (वे विषाणु जो विशेष बैक्टीरिया को निशाना बनाकर नष्ट करते हैं) मोती की खेती में 'सर्जिकल इंप्लांटेशन' के बाद सीपों को स्वस्थ करने का एक प्राकृतिक उपाय प्रस्तुत करते हैं और 'एंटीबायोटिक' के उपयोग का एक टिकाऊ व पर्यावरण अनुकूल विकल्प प्रदान करते हैं।

मोती उत्पादन की प्रक्रिया में सीप के प्राकृतिक रक्षा तंत्र का उपयोग करते हुए उसमें सर्जरी के माध्यम से प्रत्यारोपित किया जाता है, जिससे मोती के निर्माण की प्रक्रिया शुरू होती है।

सोनकर द्वारा 'भाषा' के साथ साझा किए गए एक अध्ययन के सार के अनुसार, प्रयोगों में यह पाया गया कि जिन सीपों को 72 घंटे तक बैक्टीरियोफेज-समृद्ध समुद्री जल में रखा गया, उनमें एंटीबायोटिक उपचार प्राप्त सीपों की तुलना में अधिक तीव्र गति से घाव भरने की प्रक्रिया देखी गई। यूरोपीय एक्वाकल्चर सोसाइटी द्वारा स्पेन के वेलेंसिया में 22 से 25 सितंबर के दौरान आयोजित 'एक्वाकल्चर 2025' सम्मेलन को संबोधित करते हुए सोनकर ने कहा कि सीपों के उपचार में बैक्टीरियोफेज-आधारित तकनीक न केवल प्रभावी है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि भारत वैश्विक स्तर पर जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) के लिए एक सतत और स्वास्थ्यवर्धक भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

अध्ययन के सार में कहा गया है, यह अध्ययन मोती सीप की खेती में एंटीबायोटिक दवाओं के एक टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल विकल्प के रूप में बैक्टीरियोफेज थेरेपी की क्षमता पर प्रकाश डालता है। इस थेरेपी का एक प्रमुख लाभ इसकी विशिष्टता है, फेज केवल हानिकारक बैक्टीरिया को ही लक्षित करते हैं, जबकि लाभकारी बैक्टीरिया को बरकरार रखते हैं।

मंत्रिमंडल ने जहाज निर्माण, समुद्री क्षेत्र के लिए 69,725 करोड़ रुपए के पैकेज को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में जहाज निर्माण एवं समुद्री वहन क्षेत्र को सुदृढ़ करने के साथ विदेशी जहाजों पर निर्भरता कम करने के लिए बुधवार को 69,725 करोड़ रुपए के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस पैकेज पर मुहर लगाई गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को इस फैसले की जानकारी दी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस पैकेज को चार स्तंभों पर आधारित किया गया है। इसके तहत घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाने, दीर्घकालिक वित्तपोषण की सुविधा, नई एवं पुरानी जहाज निर्माण परियोजनाओं के विकास को प्रोत्साहन, तकनीकी क्षमताओं एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के साथ कानूनी, कर एवं नीतिगत सुधार भी लागू किए जाएंगे। मंत्रिमंडल ने 'जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना' (एसबीएफएएस) को 31 मार्च, 2036 तक बढ़ा दिया गया है और इसके लिए 24,736 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

इस योजना के तहत जहाज निर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए 4,001 करोड़ रुपए का शिपब्रेकिंग क्रेडिट नोट भी जारी किया जाएगा। इन सभी पहल की निगरानी के लिए 'राष्ट्रीय जहाज निर्माण मिशन' भी शुरू किया जाएगा। इसके अलावा, 25,000 करोड़ रुपए के समुद्री विकास कोष (एमडीएफ) को मंजूरी दी गई है। इसमें 20,000 करोड़ रुपए का समुद्री निवेश कोष होगा जिसमें केंद्र सरकार की 49 प्रतिशत भागीदारी होगी।

केंद्र ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सीएसआईआर की 2,277 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने बुधवार को डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट फेलोशिप के लिए 2,277 करोड़ रुपए की एक व्यापक योजना को मंजूरी दी और यात्रा एवं संगोष्ठी के माध्यम से ज्ञान को साझा करने को बढ़ावा दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में, 15वें वित्त आयोग के चक्र 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए 2,277.397 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की 'क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास'(सीबीएचआरडी)' को मंजूरी दी गई।

सीएसआईआर द्वारा कार्यान्वित, यह योजना देश भर के सभी अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों, प्रतिष्ठित संस्थानों और विश्वविद्यालयों को कवर करेगी।

अशांति पैदा करने के पड़ोसी देश के प्रयासों का कश्मीरियों ने कभी समर्थन नहीं किया : पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राकांपा (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि कश्मीरी मुसलमानों ने कभी भी अशांति पैदा करने के एक पड़ोसी देश के प्रयासों का समर्थन नहीं किया। स्थानीय सरहद संस्थान के एक कार्यक्रम में पवार ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले का उल्लेख किया, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। सरहद संस्थान संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों के छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है।

पवार ने कहा, कश्मीर के बाहर के लोग अक्सर कश्मीरी लोगों को लेकर डरे रहते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। कश्मीर भारत का हिस्सा है। कश्मीर ने भारत के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कहा, पहलगाम में हमला हुआ। लोग डरे हुए थे और पड़ोसी देश ने अशांति फैलाने की कोशिश की। हालांकि, कश्मीरी लोगों ने कभी उनका साथ नहीं दिया। मुख्यमंत्री (उमर अब्दुल्ला) ने तुरंत एक बैठक बुलाई और एक प्रस्ताव पेश किया गया जिसमें कहा गया कि 'हम भारत के साथ खड़े रहेंगे, हम इस हमले का समर्थन नहीं करेंगे और कश्मीर की रक्षा के लिए जो भी जरूरी होगा, करेंगे। पूर्व रक्षा मंत्री पवार ने कहा, पड़ोसी देश चाहे जो भी करने की कोशिश करे, कश्मीरी लोग कभी भी उनके साथ नहीं जाएंगे। इसलिए हमें कश्मीरियों और कश्मीरी मुसलमानों के प्रति हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए।

'नकल जिहादियों' को मिट्टी में मिलाने तक चैन से नहीं बैठेंगे : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि राज्य में एक षडयंत्र के तहत संगठित रूप से 'नकल जिहाद' छेड़ने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन उनकी सरकार 'नकल जिहादियों' को मिट्टी में मिलाने तक चैन से नहीं बैठेगी।

हाल में उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की स्नातक स्तरीय परीक्षा के एक प्रश्नपत्र के तीन पन्ने कथित तौर पर लीक होने से प्रदेश में मचे हड़कंप के बीच मुख्यमंत्री ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेलने के लिए संगठित होकर पेपर लीक कराने के षडयंत्र रचे जा रहे हैं। कोचिंग माफिया और नकल माफिया एक होकर राज्य में 'नकल जिहाद' छेड़ने का प्रयास कर रहे हैं। जांच से पहले ही प्रदेश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, लेकिन मैं उन सभी नकल माफियाओं और जिहादियों को बता देना चाहता हूं कि हमारी सरकार राज्य में नकल माफियाओं को जब तक मिट्टी में नहीं मिला देगी तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे।

मुख्यमंत्री यहां भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों के लिए आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। धामी ने कहा कि राज्य में नकल माफिया पर अंकुश लगाने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया जिसके बाद पिछले चार वर्षों में 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य बनने के बाद 21 सालों में केवल 16 हजार लोगों को नौकरियां मिली थीं। धामी ने यह भी कहा कि नकल विरोधी कानून के लागू होने के बाद 2022 से लेकर अब तक 100 से अधिक नकल माफियाओं को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को यह रास नहीं आ रहा कि युवाओं का उनकी योग्यता, क्षमता और प्रतिभा के आधार पर सरकारी नौकरी में चयन हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जानते हैं कि पेपर लीक होने की स्थिति में पेपर शुरू होने से पहले ही बाहर आ जाता है लेकिन इस बार केवल एक जगह एक परीक्षा केंद्र में किसी ने अंदर से फोटो खींचकर बाहर भेज दी जिस पर बाद में हंगामा खड़ा कर दिया गया।

राजोआना को अब तक फांसी क्यों नहीं दी गई : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को पूछा कि 1995 में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के लिए गए मौत की सजा पाए बलवंत सिंह राजोआना को अब तक फांसी क्यों नहीं दी गई, जबकि केंद्र ने कहा था कि यह एक ''गंभीर अपराध'' है। राजोआना पिछले 29 वर्षों से जेल में बंद है, जिसमें से 15 वर्ष उसने मृत्युदंड की सजा काटी है।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया को अपराध की गंभीरता से अवगत कराया। पीठ ने नटराज से पूछा, आपने अब तक उसे फांसी क्यों नहीं दी? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? कम से कम हमने तो फांसी पर रोक नहीं लगाई है।

शीर्ष अदालत राजोआना की दया याचिका पर फैसले में देरी के आधार पर उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने की याचिका पर सुनवाई कर रही है। राजोआना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि उनके मुवक्किल की दया याचिका पर कोई फैसला नहीं हुआ है। नटराज ने कहा कि वह निर्देश लेंगे और पीठ को स्थिति से अवगत कराएंगे। रोहतगी ने कहा, कोई नहीं जानता कि क्या हो रहा है। शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि दया याचिका पर समय पर फैसला किया जाना चाहिए।

छह वर्ष से कम आयु के बच्चे 'फॉस्टर केयर' के लिए पात्र नहीं : केंद्र ने स्पष्ट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि छह वर्ष से कम आयु के बच्चे 'फॉस्टर केयर' (अस्थायी देखभाल व्यवस्था) के लिए पात्र नहीं हैं। सरकार की ओर से यह स्पष्टीकरण नए नियमों की अलग-अलग व्याख्याओं पर चिंता जताये जाने के बाद जारी किया गया है। 'फॉस्टर केयर' ऐसी व्यवस्था है, जिसमें उन बच्चों को अस्थायी रूप से किसी अन्य परिवार में रखा जाता है, जिनके माता-पिता उनकी देखभाल करने में असमर्थ होते हैं, लेकिन वैसे बच्चों को गोद लेने के लिए कानूनी रूप से उपलब्ध घोषित नहीं किया गया होता है। यह देखभाल सरकार या किसी सामाजिक संस्था की निगरानी में होती है।

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) ने पिछले सप्ताह जारी एक कार्यालय ज्ञापन में, किशोर न्याय नियमावली के नियम 23(3) और आदर्श पालक देखभाल दिशानिर्देशों के बिंदु 4(1) का उल्लेख किया है, जिसमें कहा गया है कि केवल छह वर्ष और उससे अधिक आयु के बच्चे ही अधिनियम के नियम 44 में परिभाषित परिस्थितियों के तहत पालक देखभाल में रखे जाने के पात्र हैं। वैधानिक निकाय ने कहा कि कुछ एजेंसी ने विनियमों की व्याख्या के संबंध में मुद्दे उठाए थे, जिसके कारण स्पष्टीकरण आया है। ज्ञापन में कहा गया है, इसलिए, यह दोहराया जाता है कि छह वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को 'फोस्टर केयर' के तहत नहीं रखा जाएगा...इससे किसी भी प्रकार का विचलन उक्त नियम और आदर्श पालक देखभाल दिशानिर्देश, 2024 का उल्लंघन माना जाएगा।

यह निर्देश सभी राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसियों (एसएआरए), जिला बाल संरक्षण इकाइयों (डीसीपीयू) और विशिष्ट दत्तक ग्रहण एजेंसियों (एसएए) को एकरूप अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए भेजा गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, गैर-संस्थागत देखभाल में बच्चों की संख्या 2021-22 और 2023-24 के बीच चार गुना बढ़ गई है।

पायलटों के समूह एफआईपी ने एअर इंडिया विमान दुर्घटना की न्यायिक जांच की मांग की

मुंबई/नई दिल्ली/भाषा। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने सरकार से एअर इंडिया ड्रीमलाइनर दुर्घटना की न्यायिक जांच का आदेश देने का आग्रह किया है, जिसमें 260 लोग मारे गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा जांच को प्रभावित किया गया है और इसे रोक दिया जाना चाहिए। एफआईपी की यह मांग, एअर इंडिया विमान के पायलटों में से एक कैप्टन सुमित सभरवाल के पिता पुष्कराज सभरवाल द्वारा केंद्र सरकार से औपचारिक जांच की मांग के एक महीने से भी कम समय बाद आई है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा इस मामले की जांच की जा रही है।

लगभग 5,500 पायलटों का प्रतिनिधित्व करने वाले एफआईपी ने 22 सितंबर को नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू को लिखे एक पत्र में कहा, एक दोषपूर्ण घरेलू जांच वैश्विक विमानन समुदाय में भारत की प्रतिष्ठा को खतरे में डालती है। इसलिए न्यायिक जांच न केवल न्याय का मामला है, बल्कि मंत्रालय के लिए इन गंभीर प्रक्रियागत खामियों को दूर करने और अपने कानूनी तथा प्रतिष्ठा संबंधी जोखिम को कम करने के लिए एक आवश्यक तंत्र भी है।

पत्र में कहा गया है कि एएआईबी की निजी, प्रशासनिक प्रक्रिया के विपरीत, अदालत शपथ के तहत गवाही देने के लिए बाध्य कर सकती है, समन जारी कर सकती है, तथा बोइंग और जनरल इलेक्ट्रिक जैसे अंतरराष्ट्रीय निर्माताओं सहित किसी भी पक्ष से सभी दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की मांग कर सकती है। पत्र पर टिप्पणी मांगने के लिए मंत्रालय को भेजे गए प्रश्न का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। इस बीच, 22 सितंबर को उच्चतम न्यायालय की एक पीठ ने केंद्र और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को दुर्घटना की स्वतंत्र, निष्पक्ष और शीघ्र जांच के पहलू पर नोटिस जारी किया, क्योंकि इसमें यह भी उल्लेख किया गया कि पीड़ितों के परिवारों की गोपनीयता और सम्मान का तत्व भी शामिल था।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत चेन्नई मंडल के रेलवे स्टेशन स्वच्छता से जगमगा उठे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने यात्रियों को स्वच्छ, हरित और यात्री-अनुकूल रेलवे परिसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, चल रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के तहत अपने सभी स्टेशनों पर व्यापक सफाई अभियान चलाया है। अभियान के तहत, चेन्नई सेंट्रल, चेन्नई एग्मोर, तांबरम, चेंगलपट्टू, पेरम्बूर, अवाडी, तिरुवल्लूर, अरक्कोणम और जोलारपेट्टई सहित प्रमुख स्टेशनों पर सघन सफाई गतिविधियाँ चलाई गईं, जो उपनगरीय और हाल्ट स्टेशनों तक भी विस्तारित की गईं। प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों, परिभ्रमण क्षेत्रों, पैदल पार पथों, शौचालयों और पटरियों की गहन सफाई की गई, जिससे यात्रियों के लिए एक ताज़ा और स्वागत योग्य माहौल तैयार हुआ।

निरंतर स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए, डिवीजन ने सभी स्टेशनों पर कचरा पृथक्करण हेतु कार्यशील कूड़ेदान उपलब्ध कराए हैं। स्वच्छता मानकों को बनाए रखने के लिए समर्पित निगरानी दल भी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा, मंडल ने कई पर्यावरण-अनुकूल पहल शुरू की हैं, जिनमें बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान, कचरे से कलाकृतियाँ बनाना और जागरूकता रैलियाँ शामिल हैं। स्टेशन परिसरों, कॉलोनियों, स्वास्थ्य इकाइयों, डिपो और कार्यशालाओं में 1,500 से ज़्यादा पौधे लगाए जा चुके हैं, जिससे हरियाली बढ़ी है और पर्यावरण संरक्षण में योगदान मिला है।

एक दिन, एक घंटा, एक साथ अभियान के एक भाग के रूप में, 25 सितंबर को सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। यह स्वच्छता अभियान चेन्नई मंडल के 49 रेलवे स्टेशनों पर आयोजित किया गया है, जिनमें चेन्नई सेंट्रल, चेन्नई एग्मोर, माम्बलम, तांबरम, चेंगलपट्टू, जोलारपेट्टई, पेरम्बूर, अवादी, कांचीपुरम, एन्नोर और सुल्लुरुपेटा रेलवे स्टेशन जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशन शामिल हैं। स्काउट्स और गाइड्स, स्वयंसेवकों, गैर सरकारी संगठनों, स्कूल और कॉलेज के छात्रों को इस अभियान में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। ये सामूहिक प्रयास सामुदायिक उत्तरदायित्व और नागरिक गौरव की भावना को सुदृढ़ करेंगे। यात्रियों ने इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया है, तथा साफ-सुथरे स्टेशनों और बेहतर सुविधाओं की सराहना की है, साथ ही रेलवे कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों की भी सराहना की है। चेन्नई मंडल सभी यात्रियों से अपील करता है कि वे कूड़ेदानों का ज़िम्मेदारी से उपयोग करके, कूड़ा-कचरा फैलाने से बचकर और सार्वजनिक सुविधाओं की सुरक्षा करके अपना सहयोग प्रदान करें। हम सब मिलकर यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे रेलवे स्टेशन न केवल यात्रा के प्रवेश द्वार बने रहें, बल्कि स्वच्छता, नागरिक गौरव और स्थिरता के स्थायी प्रतीक बने रहें।

बीआईएस ने तिरुचिरापल्ली में ज्वैलर्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मानक ब्यूरो, कोयंबटूर शाखा कार्यालय ने 22 सितंबर, को तिरुचिरापल्ली ज्वैलर एसोसिएशन बिल्डिंग, त्रिची में सोने और चांदी के आभूषणों की बीआईएस हॉलमार्किंग योजना पर ज्वैलर्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 95 सदस्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत बीआईएस के निदेशक वी. रमेश के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद कार्यक्रम पर एक प्रस्तुति दी गई। इस प्रस्तुति में बताया कि यद्यपि बीआईएस ने 2000 में हॉलमार्किंग योजना शुरू कर दी थी और शुल्क कम करके तथा लाइसेंस प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल बनाकर योजना को और अधिक तर्कसंगत बनाया था, फिर भी जौहरियों की प्रतिक्रिया में सुधार की आवश्यकता है, खासकर जहाँ हॉलमार्किंग केंद्र उपलब्ध नहीं हैं। व्यक्तिगत रूप से और सभी जिलों के संघों के माध्यम से आग्रह किया कि वे जल्द लाइसेंस के लिए आवेदन करें ताकि आगे की परेशानियों से बचा जा सके। ज्वैलर्स के पंजीकरण की नीति, प्रक्रिया और आवेदन के साथ जमा किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची के बारे में बताया गया। बीआईएस अधिनियम और हॉलमार्किंग संबंधी नियमों सहित कानूनी आवश्यकताओं का पालन न करने के परिणामों के बारे में विस्तार से बताया गया। एक खुली चर्चा भी आयोजित की गई जिसमें ज्वैलर्स द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए गए।

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार/GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग /DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)

एफ.सं. 01-04001(01)/2/2025-एचओ-कार्मिक प्रभाग दिनांक : 19-09-2025
F.No. 01-04001(01)/2/2025-HO-Personnel Division Date : 19-09-2025

अधिसूचना
NOTIFICATION
सहायक निदेशक के पद पर भर्ती-खेल उत्कृष्टता के लिए भारत की खोज का हिस्सा बनने का अवसर।
Recruitment to the post of Assistant Director-
An opportunity to be part of India's quest for Sporting Excellence.

संदर्भ : समान संख्या की अधिसूचना दिनांक 30.05.2025 के अनुसार, सहायक निदेशक के 20 पदों (08-अनारक्षित, 02-ईडब्ल्यूएस, 05-ओबीसी, 03-एससी, 02-एसटी) को भरने के संबंध में। ''सार्वजनिक स्कोर प्रकटीकरण, सिविल सेवा परीक्षा, 2023'' की सूची दिनांक 08-11-2024 के अंतर्गत शामिल अभ्यर्थियों से अनुरोध किया जाता है कि वे भारतीय खेल प्राधिकरण में नियमित आधार पर सहायक निदेशक के पद हेतु वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (7वे सीपीसी) में ऑनलाइन आवेदन करें। विस्तृत अधिसूचना भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है।

2. **अंतिम चयन विधि : चयन निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर किया जाएगा:**
60% अधिभार- UPSC CSE 2023 में प्राप्त अंक (2025 में से)
20% अधिभार-प्राथमिक खेल विधाओं में सत्यापित खेल उपलब्धियाँ
20% अधिभार-साक्षात्कार में प्रदर्शन

3. उम्मीदवारों को सहायक निदेशक (Assistant Director) के पद के लिए आवेदन करने हेतु अपने नाम के सामने पब्लिक डिस्क्लोजर सूची में प्रदत्त ईमेल आईडी का उपयोग करना होगा, जैसा कि भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) की 16-09-2025 दिनांकित अधिसूचना में उल्लेखित है। यह स्पष्ट किया जाता है कि आवेदन पत्र जमा करने के लिए आमंत्रण मात्र को भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) द्वारा अभ्यर्थिता की अंतिम स्वीकृति नहीं माना जाएगा। साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों को रिक्तियों की संख्या के सापेक्ष 1:5 के अनुपात में, केवल UPSC CSE-2023 में प्राप्त अंकों के आधार पर, योग्यता क्रम में कड़ाई से शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।

4. ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रस्तुतिकरण दिनांक 18-09-2025 (10:00 AM) से प्रारंभ होगा तथा पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 01-10-2025 (05:00 PM) है। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि किसी भी अंतिम समय की असुविधा से बचने के लिए आवेदन पत्र समय पर भरें। भर्ती संबंधी किसी भी प्रश्न के लिए ई-मेल करें: recruitment.cell.sai@gov.in। किसी विवाद की स्थिति में अधिसूचना का अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा।

CBC 47103/12/0010/2526

उच्चतम न्यायालय तमिल फिल्म निर्देशक और अभिनेत्री को एक-दूसरे से माफी मांगने का निर्देश दिया

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को तमिल फिल्म निर्देशक व नेता सीमान और 2011 में उनके खिलाफ शादी का झूठा वादा करके बलात्कार करने का मामला दर्ज करवाने वाली एक अभिनेत्री को एक-दूसरे से माफी मांगने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ सीमान की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उनके खिलाफ मामला रद्द करने से इनकार के मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई थी। शीर्ष अदालत ने दोनों पक्षों को मामले के संबंध में मीडिया या सोशल मीडिया पर कोई बयान नहीं देने का भी निर्देश दिया।

पीठ ने कहा, इस सब को खत्म करें। आप दोनों सभी आरोप वापस लें। शीर्ष अदालत ने इससे पहले सीमान को अभिनेत्री से बिना शर्त माफी मांगने का निर्देश दिया था। सीमान पर तत्कालीन भारतीय दंड संहिता के तहत बलात्कार, आपराधिक धमकी व धोखाधड़ी और तमिलनाडु महिला उत्पीड़न निषेध अधिनियम की धारा 4 के तहत आरोप हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि वह 2007 से 2011 के बीच शादी के आश्वासन पर सीमान के साथ रिश्ते में थी, लेकिन उसने किसी और से शादी कर ली। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इस दौरान उनका यौन शोषण किया गया तथा भावनाओं से खिलवाड़ किया गया।

दो दशक से उनके साथ रहे फैंस को समर्पित करता हूं राष्ट्रीय पुरस्कार : जीवी प्रकाश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हाल ही में नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तमिल फिल्मों में बैकग्राउन्ड म्युजिक के कलाकार जीवी प्रकाश को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। पुरस्कार लेने के बाद जीवी प्रकाश ने अपने पुरस्कार को दो दशकों से उनके साथ खड़े रहे फैंस को समर्पित किया है। जीवी प्रकाश कहा, ''मैं बहुत खुश हूं कि मुझे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। यह मेरा दूसरा पुरस्कार है। मैं इसके लिए सचमुच बहुत आभारी हूं। मैं यह पुरस्कार अपने उन सभी प्रशंसकों को समर्पित करना चाहता हूं, जो मेरे 20 साल के करियर और 110 फिल्मों में मेरे साथ खड़े रहे। मैं हमेशा उनका आभारी रहूंगा।''

जीवी प्रकाश को पहला राष्ट्रीय पुरस्कार ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सोरारई पोटरु' में बैकग्राउंड स्कोर के लिए दिया गया था। उस फिल्म में अभिनेता सूर्या मुख्य भूमिका में थे, वहीं इस बार उन्हें यह पुरस्कार अभिनेता धनुष की फिल्म के लिए दिया गया है। जब जीवी प्रकाश से पूछा गया कि बैकग्राउंड म्यूजिक बनाना या गानों के लिए म्यूजिक बनाना, कौन सा सबसे कठिन है, तो उन्होंने जवाब दिया, दोनों बिल्कुल अलग हैं। बैकग्राउंड स्कोर में तीन घंटे या ढाई घंटे का म्यूजिक देना शामिल है, जबकि गाने लगभग आधे घंटे के होते हैं। लगभग दो घंटे की फिल्म के लिए म्यूजिक देना बहुत मुश्किल है। लेकिन, दोनों की अपनी-अपनी चुनौतियां हैं। जीवी प्रकाश ने कई फिल्मों में बेहतरीन अभिनय भी किया है। उनसे जब पूछा गया कि दूसरे क्षेत्रों में भी क्या वह राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने की उम्मीद कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, हां, मुझे उम्मीद है कि मैं एक अभिनेता के तौर पर भी किसी फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीत सकूंगा। मैं एक निर्माता भी हूं, एक गायक भी। देखते हैं यूनिवर्स मेरे लिए क्या लेकर आती है।

अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी ने द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन में 'दरार' का दावा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुन्नूर। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने मंगलवार को सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसकी प्रमुख सहयोगी कांग्रेस के बीच गठबंधन में दरार का आरोप लगाया तथा कहा कि द्रमुक खेमा खाली होने वाला है। यहां एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि द्रमुक और उसकी प्रमुख सहयोगी कांग्रेस के बीच जंग छिड़ गई है।

अन्नाद्रमुक प्रमुख ने आरोप लगाया कि हाल में तिरुनेलवेली में आयोजित कांग्रेस की बैठक में पार्टी नेता गिरीश चोडानकर ने स्पष्ट रूप से 50-50 की 'मांग' रखी। गिरीश यहां तमिलनाडु के पार्टी प्रभारी हैं। पलानीस्वामी के अनुसार, चोडानकर ने 2026 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता में हिस्सेदारी और 117 विधानसभा सीट देने की मांग की है। 117 सीट तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीट का 50 प्रतिशत हैं। पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु कांग्रेस विधायक दल के नेता और विधायक एस राजेशकुमार ने कहा है कि द्रमुक चुनाव नहीं जीतेगी और अगर द्रमुक जीतती है तो राजेशकुमार ने गठबंधन सरकार की मांग की है।

उम्मीद है कि निर्वाचन आयोग हमारी शिकायतें सुनेगा और न्याय करेगा : पीएमके विधायक

चेन्नई। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) संस्थापक डॉ. एस रामदास और उनके बेटे अंबुमणि रामदास में तनातनी के बीच विधायक आर अरुल ने कहा कि पार्टी को उम्मीद है कि निर्वाचन आयोग उनकी शिकायतें सुनेगा और न्याय करेगा। अरुल ने कहा कि एस रामदास को पार्टी की प्रशासनिक समिति और कार्यकारी समिति का समर्थन प्राप्त है। पार्टी के प्रवक्ता और अधिवक्ता के. बालू ने 15 सितंबर को कहा था कि भारत के निर्वाचन आयोग ने आधिकारिक तौर पर डॉ. अंबुमणि रामदास को अगस्त 2026 तक पीएमके के अध्यक्ष के रूप में मान्यता दी है। बालू ने कहा, ''इसलिए, उनके पिता डॉ. एस रामदास द्वारा पार्टी से निष्कासन का कोई मतलब नहीं है।'' डॉ. एस रामदास खेमे से जुड़े अरुल ने बताया कि 23 सितंबर को विल्लुपुरम के पास थाइलापुरम में हुई जिला सचिवों की बैठक में पार्टी के 108 जिला सचिवों में से 107 और 95 जिला अध्यक्षों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि एक जिला सचिव स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर बैठक में शामिल नहीं हुए।

गगनयान के लिए प्रशिक्षण जोर-शोर से जारी : अंतरिक्ष यात्री प्रशांत बी. नायर

तिरुवनंतपुरम। भारत के गगनयान मिशन में शामिल भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर ने बुधवार को कहा कि इसके लिए प्रशिक्षण जोर-शोर के साथ जारी है। नायर यहां मॉडल स्कूल थाइकॉड के छात्रों से बातचीत के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। नायर ने कहा कि भारत 2027 में हमारे कैप्सूल से अंतरिक्ष में अपना पहला व्यक्ति भेजेगा, लेकिन उससे पहले कई परीक्षण किए जाने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि पहले एक रोबोट 'व्योम मित्र' को परीक्षण के तहत भेजा जाएगा और फिर कई अन्य मिशन होंगे। उन्होंने कहा, ''यह एक सतत कार्यक्रम होगा और इसका केंद्र तिरुवनंतपुरम और बेंगलूरु के बीच होगा।''

मिशन के प्रशिक्षण के बारे में उन्होंने कहा कि यह जोर-शोर के साथ जारी है और पूरी गगनयान टीम भारत सरकार, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और वायु सेना के ऋणी है, जिन्होंने उनका चयन किया और उन्हें प्रशिक्षित किया। ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप, ग्रुप कैप्टन अजित कृष्णन और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला गगनयान दल के चार सदस्य हैं। स्कूली बच्चों के साथ अपनी बातचीत के बारे में उन्होंने इसे एक अच्छा अनुभव बताया। ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर ने कहा कि उन्होंने बच्चों से गगनयान मिशन और उसके प्रशिक्षण के बारे में बात की। इसरो के अनुसार, गगनयान कार्यक्रम का उद्देश्य तीन दिनों के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा में मानवयुक्त अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित करने की भारत की क्षमता का प्रदर्शन करना है।

श्रीराम फाइनेंस का तमिलनाडु में एमएसएमई पोर्टफोलियो 10,700 करोड़ रुपये पर पहुंचा

चेन्नई। श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड ने तमिलनाडु भर में सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों के लिए ऋण पहुंच को मज़बूत किया है। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि जून, 2025 तक कंपनी का एमएसएमई वित्तपोषण पोर्टफोलियो 10,700 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। एमएसएमई वित्तपोषण बाजार में यह वृद्धि बढ़ती उद्यमशीलता गतिविधियों, ऋण तक पहुंच में वृद्धि और दूसरे और तीसरी श्रेणी के शहरों में सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों के विस्तार के कारण हुई है। बुधवार को कंपनी के बयान में कहा कि तमिलनाडु में उसका एमएसएमई वित्तपोषण पोर्टफोलियो जून, 2025 तक 10,700 करोड़ रुपये को पार कर गया, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही तक एमएसएमई खंड की अखिल भारतीय स्तर पर प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) 38,824.26 करोड़ रुपये थीं।

श्रीराम फाइनेंस के उप प्रबंध निदेशक अंबुसेल्वम ने कहा, ''एमएसएमई में किफायती और लचीले वित्तपोषण की बढ़ती मांग के साथ, हमें अपने पोर्टफोलियो को और बढ़ाने के महत्वपूर्ण अवसर दिखाई दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''स्मार्ट इंटेलिजेंस, डिजिटल सेल्फ-सर्विस और कस्टमाइज्ड पुनर्भुगतान समाधानों का लाभ उठाते हुए श्रीराम फाइनेंस देश भर के व्यवसायों को सशक्त बनाते हुए एमएसएमई वित्तपोषण में अपने नेतृत्व को मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

केरल में छापेमारी में सेना और दूतावास की जाली मुहरों वाली महंगी कारें जब्त

कोच्चि। सीमा शुल्क निवारक विभाग के अधिकारियों ने सेना और अमेरिकी दूतावास की मुहरों वाले जाली दस्तावेजों के साथ भूटान से अवैध रूप से भारत लाए गए महंगे वाहनों का पता लगाने, उनकी पहचान करने और उन्हें जब्त करने के लिए समूचे केरल में कई जगहों पर छापेमारी की। कोच्चि स्थित सीमा शुल्क निवारक आयुक्तालय के आयुक्त टी. तिजू ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मंगलवार को राज्य भर में फिल्म कलाकार पृथ्वीराज सुकुमारन, दुलकर सलमान और अमित चक्कलक्कल के आवासों सहित लगभग 30 स्थानों पर तलाशी ली गई और 36 महंगी कारें जब्त की गईं।

इस अभियान का कूट नाम ऑपरेशन 'नुमखोर' है। भूटानी भाषा में नुमखोर' का अर्थ 'वाहन' होता है। अभियान का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि अवैध रूप से भारत लाकर देश में बेचे जाने वाले इन वाहनों में से कई का इस्तेमाल सोने और मादक पदार्थ की तस्करी के लिए भी किया जाता था और इस संबंध में मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा, ''अगर वे इस तरह से कारों, सोने और नशीले पदार्थों की तस्करी कर सकते हैं, तो वे कुछ भी ला सकते हैं। इसलिए यह देश की राष्ट्रीय और आर्थिक सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है।''

सीमा शुल्क निवारक आयुक्त ने यह भी कहा कि उनकी प्रारंभिक जांच में तस्करी किए गए वाहनों के संबंध में आयकर और जीएसटी (माल एवं सेवा कर) चोरी के साथ-साथ धन शोधन जैसी कई अन्य अवैध गतिविधियों का भी पता चला है। उन्होंने यह भी कहा कि इसके अलावा वे इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या ऐसी अवैध गतिविधियों से प्राप्त धन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए किया गया था। आयुक्त ने बताया कि अभियान के तहत कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, कोझिकोड, मलप्पुरम तथा अन्य स्थानों पर एक साथ छापे मारे गए। भूटान के रास्ते भारत में महंगी गाड़ियों के अवैध आयात के पीछे गिरोह की कार्यप्रणाली का ब्योरा देते हुए अधिकारी ने बताया कि इन कारों को या तो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हालत में, कंटेनरों के अंदर या पर्यटक वाहनों की आड़ में भारत लाया जाता था। तिजू ने बताया, ''वाहनों को भारत लाने के बाद उन्हें सावधानीपूर्वक जाली दस्तावेजों का उपयोग करके देश के विभिन्न हिस्सों में पंजीकृत किया जाता है। गौरतलब है कि इन वाहनों के पंजीकरण के लिए फर्जी तरीके से भारतीय सेना और अमेरिकी दूतावास सहित विदेशी दूतावासों के नाम, मुहर और उनके प्रतीक चिह्नों का इस्तेमाल किया जाता है।'' उन्होंने कहा कि इन वाहनों को जाली दस्तावेजों के साथ भारत लाया गया था, जिससे यह पता नहीं चल पाया कि असली मालिक कौन था। अधिकारी ने बताया कि केरल परिवहन आयुक्तालय, एटीएस और राज्य पुलिस की मदद से लगभग 30 जगहों पर छापे मारे गए। उन्होंने बताया कि भारत-भूटान सीमा के जरिए अधिक कीमत वाली 'सेकेंड-हैंड कारों' की भारत में तस्करी की खुफिया जानकारी के आधार पर ये छापे मारे गए। उन्होंने कहा कि एजेंसी की शुरुआती जांच से पता चला है कि अधिकतर गाड़ियां पृथ्वीराज और दुलकर जैसे धनी व्यक्तियों के पास हैं, जिन्होंने ''जानबूझकर या अनजाने में'' ऐसी गाड़ियां खरीदी थीं। अधिकारी ने कहा, ''पृथ्वीराज का कोई वाहन जब्त नहीं किया गया, लेकिन दुलकर सलमान के दो वाहनों की पहचान कर ली गई है।''

Indian Overseas Bank
TRIPLICANE BRANCH: No.203, Triplicane High Road, Triplicane, Chennai-600005. Email: iob0098@iob.in

e-AUCTION SALE NOTICE FOR SALE OF IMMOVABLE PROPERTIES

E-Auction Sale Notice for Sale of Immovable Assets under the Securitization and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 read with proviso to Rule 8 (6) / 9(1) of the Security Interest (Enforcement) Rules, 2002.

Notice is hereby given to the public in general and in particular to the borrower (s) and guarantor (s) that the below described immovable property mortgaged/ charged to the Secured Creditor, the **Constructive Possession** of which has been taken by the **Authorised Officer of Indian Overseas Bank, Secured Creditor, will be sold on "As is where is", "As is what is" and "Whatever there is" basis on 14.10.2025 for recovery of ₹ 4,20,62,924.12** (Rupees Four Crore Twenty Lakhs Sixty Two Thousand Nine Hundred Twenty Four and Paise Twelve Only) **as on 31.08.2025** with further interest & costs thereon from the **Borrower: 1.M/s N2H International (Partnership Firm), Address:** 1st Floor No.29, Govindappa Naicken Street, Sowcarpet, Chennai-600001 **Partners / Guarantors / Mortgagors: 2.Kuldeep Surana, 3.Sheethal Surana, Both at, Address 1**: Flat No.302, 3rd Floor, WING D, Prince Courtyard, Door No.100-102, Poonamalle High Road, Egmore, Chennai-600008, **Address 2 :** 1st Floor No.29, Govindappa Naicken Street, Sowcarpet, Chennai-600001

DESCRIPTION OF THE IMMOVABLE PROPERTY

Residential Flat bearing No. 302 in 3rd Floor, Wing D, in Project Prince Courtyard having **2140 sqft. super build up area (carpet area - 1429 Sq. ft.)** along with one parking slot in basement III together with **470 Sq. ft., undivided share of land** out of total extent of land measuring 32 Grounds 1362 Sq.ft. as per document (as per patta 32 Grounds 541 Sq.ft.), situated at **Door No. 100 to 102(119), Poonamallee High Road, Periyar EVR Salai, Purasawalkam, Chennai 600007,** comprised in Survey No's 799, 800/1, 800/3, 800/5 and 803/2, Block No. 37 of Egmore Division, Egmore Taluk, Chennai District, bounded on the - North by - Poonamallee High Road, South By - Survey No. 801, East By - Varadarajulu Naidu Road, West by - Survey No . 798.

Reserve Price: ₹ 3,95,39,000/-
EMD : ₹ 39,53,900/-; Bid increase Amt: ₹ 3,00,000/-

Date and Time of E-Auction: 14.10.2025
between 11.00 a.m. and 3.00 p.m
with auto extension of 10 minutes each till sale is completed at the platform of
https://baanknet.com

Submission of online application for bid with EMD: 30.09.2025 onwards

Last date for submission of online application for BID with EMD: 14.10.2025 before 10.00 a.m.

HELP DESK: Mr.V R Hemanth Kumar - Mob: 81215 33776 & Mr.Jagadeeshwaran Mob: 73583 63464

****The above Reserve Price is exclusive of applicable TDS.**
The bidder/purchaser shall bear the 1.00% income tax/TDS on the reserve price plus bid multiplier amount

The bidders are advised to make their own enquiries regarding outstanding dues of Local Self Government (Property Tax, Water sewerage, Electricity Bills etc) and Bank will not take any responsibility for the same.
*** Bank's dues have priority over the statutory dues**

In compliance with Section 194 IA of the Income Tax Act, 1961 income tax @ Applicable rate on the Reserve Price shall be deducted and paid under the PAN of the Purchaser. The bidder shall bear the income tax @ Applicable Rate on the entire sale consideration including the bid multiplier amount and the bank shall not take any responsibility for the same. In addition to the sale consideration and TDS amount under Sec 194IA, the purchaser shall bear applicable TDS under Sec 194 O of the Income-Tax Act. AS per section 194(O) of Income Tax Act 1961, the purchaser is liable to pay TDS to e-commerce participant in respect of sale of goods or provision of services facilitated by the Operator through its Digital or electronic facility or platform at applicable rates.

For detailed terms and conditions of the sale, please refer to the service providers website **https://baanknet.com or bank's website www.iob.in**

Place: Chennai **Authorised Officer**
Date : 23.09.2025 **Indian Overseas Bank**

This may also be treated as a Notice under Rule 8(6)/Rule 9(1) of Security Interest (Enforcement) Rules, 2002 to the borrower/s and guarantor/s of the said loan about holding of e-auction on the above mentioned date.

'राष्ट्र प्रथम' नारा नहीं देश प्रेम से जुड़ी भावना : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए सब मिलकर कार्य करने की जरुरत बताते हुए कहा है कि 'राष्ट्र प्रथम' नारा नहीं, देश प्रेम से जुड़ी भावना और विचार है। बागड़े बुधवार को विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में 'राष्ट्र प्रथम' अंतरराष्ट्रीय विचार गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत को दबाव में लाने के लिए निरंतर प्रपंच रच रहा है, पर अमेरिका के पास अपनी प्रतिभाएं नहीं है। वहां जो प्रतिभाशाली लोग काम करते हैं, वे 70 से 80 प्रतिशत भारत के हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में देश में परमाणु परीक्षण हुआ। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान ने देश को धमकी दी तो उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान हमारे देश का यदि एक चौथाई हिस्सा भी बाधित करेगा तो हम पाकिस्तान को दूसरे दिन का सूर्य नहीं देखने देंगे। यही राष्ट्र प्रथम की सोच है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना यही है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेजी से बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। देश में 25 करोड़ लोगों का जन धन खाता बैंकों में खोला गया हैं। ऐसा कहीं और नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' का भाव यही है कि देश में आजादी के 47 साल बाद कश्मीर के लाल चौक में तिरंगा झंडा फहराया गया। यही 'राष्ट्र प्रथम' है कि हमारा देश तेजी से विकसित भारत बन रहा है। उन्होंने देश में सभी क्षेत्रों में हो रहे विकास की चर्चा करते हुए कहा कि आज भारत दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर, गेहूं उत्पादन में दूसरे स्थान पर है और अर्थव्यवस्था ग्यारह से चौथे नंबर पर आ गई है। यही राष्ट्र प्रथम की सोच है। उन्होंने कहा कि देश की आबादी के अंतर्गत 280 करोड़ हाथ राष्ट्र विकास के लिए कार्य करे। बागड़े ने इस अवसर पर लोकमाता अहिल्याबाई होलकर को समर्पित पुस्तक 'कर्म गाथा' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राष्ट्र अपने आप में विचार और जीवंत दर्शन है। उन्होंने राष्ट्र प्रथम के अंतर्गत भारतीय उत्पादों का ही सबको उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी को अपनी निर्धारित जिम्मेदारी पूरा करने के लिए सदा तत्पर रहने, राष्ट्र को सर्वोपरि रखते कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यालयों के पाठ्यक्रम, वहां के शिक्षकों में भी राष्ट्रीय भाव पैदा करने और संस्कार निर्माण की शिक्षा दिए जाने की आवश्यकता जताई।

उन्होंने देश में प्राप्त शिक्षा का उपयोग देश के लिए ही किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। विकसित राष्ट्र नहीं चाहते कि देश आगे बढ़े। उन्होंने सभी को मिलकर भारत के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत विश्वगुरु था नहीं है और विश्वगुरु आगे भी रहेगा।

राजस्थान में 2021 एसआई पेपर लीक मामले में तीन परिवीक्षाधीन उपनिरीक्षक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने तीन परिवीक्षाधीन उपनिरीक्षकों (एसआई) को 2021 की एसआई भर्ती परीक्षा लीक प्रश्नपत्रों की मदद से उत्तीर्ण करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एटीएस और एसओजी) वी के सिंह ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान जयपुर ग्रामीण के त्योडा गांव निवासी 26 वर्षीय परमेश चौधरी, राज्य के जालौर जिले के सेदियां गांव निवासी 25 वर्षीय मनोहर सिंह और जालौर जिले के भीनमाल क्षेत्र के पुनासा गांव निवासी 26 वर्षीय मनोहर लाल के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि परमेश चौधरी, मनोहर सिंह और मनोहर लाल क्रमश: टोंक पुलिस लाइन, कोटा पुलिस लाइन और सिरोही पुलिस लाइन में तैनात थे। सिंह ने बताया कि आरोपियों ने परीक्षा से पहले परीक्षा माफिया द्वारा लीक किए गए हल प्रश्न पत्रों का कथित तौर पर अध्ययन किया था।

एडीजी ने बताया कि चौधरी का चयन मेरिट रैंक 180, सिंह का मेरिट रैंक 38 और लाल का मेरिट रैंक 171 पर हुआ था। पुलिस ने बताया कि तीनों को 23 सितंबर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अब तक 59 उप निरीक्षक समेत 130 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

डम्पर से मोटर साइकिल टकराने से तीन युवकों की मौत

बीकानेर/दक्षिण भारत । राजस्थान में बीकानेर के व्यास कॉलोनी थाना क्षेत्र में मंगलवार रात सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों की मौत हो गयी है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि तीन लोग मोटरसाइकिल से जा रहे थे तभी अचाना जयपुर- जोधपुर बाइपास सर्किल पर मोटरसाइकिल एक ट्रक से आगे निकलने के प्रयास में विपरीत दिशा से आ रहे डम्पर से टकरा गयी।

आमने सामने की टक्कर से तीनों की युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि मृतकों पहचान राजू मेघवाल, महेश मेघवाल और धमाराम मेघवाल के रूप में हुई है। तीनों के शव पीबीएम अस्पताल के शव गृह में रखवाये गये है। आज सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये।

दिया कुमारी ने जीएसटी सुधार को लेकर व्यापारियों से किया संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को अजमेर जिले में किशनगढ़ के मुख्य बाजार में दौरा कर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार को लेकर दुकानदारों और व्यापारियों से मुलाक़ात कर जीएसटी दरों में की गई कटौती के बारे में लोगों की प्रतिक्रिया जानी और उन्हें सरकार की ओर से मिल रही राहत की जानकारी दी। श्रीमती दिया कुमारी ने बाजार की दुकानों पर जाकर व्यापारियों से संवाद किया। व्यापारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि इस बार दिवाली से पहले ही दिवाली का तोहफा मिल गया है। जीएसटी में राहत से न केवल व्यापार को फायदा हुआ है बल्कि आम जनता को भी महंगाई से राहत मिली है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी में हुए बदलावों से आम लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ा है। त्योहारी सीजन में घरेलू और आवश्यक वस्तुओं पर टैक्स में कटौती से लोग खुश हैं। सरकार का उद्देश्य है कि जनता को आर्थिक रूप से राहत मिले और बाजार में रौनक बनी रहे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने दुकानदारों को गुलाब का फूल भेंट कर उन्हें टैक्स में दी गई राहत की जानकारी दी और जीएसटी बचत उत्सव के तहत जागरूकता अभियान का हिस्सा बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर उन्होंने व्यापारियों से स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देने की अपील करते हुए कहा हमें अपने प्रतिष्ठानों में स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना चाहिए। इससे न केवल स्थानीय व्यापार मजबूत होगा बल्कि भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के अभियान में भी हम योगदान देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, परमाणु संयंत्र की आधारशिला रखेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को राजस्थान के बांसवाड़ा दौरे में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और आधारशिला रखेंगे, जिनमें 42,000 करोड़ रुपये की लागत वाला माही-बांसवाड़ा परमाणु संयंत्र भी शामिल है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ये परियोजनायें ऊर्जा, जल, आधारभूत ढांचा, स्वास्थ्य एवं शहरी विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि शुरू की जाने वाली परियोजनाओं में प्रस्तावित 2,800 मेगावाट की परमाणु सुविधा सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राज्य की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

अन्य परियोजनाओं में बीकानेर में 8,500 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाली 590 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजना, जैसलमेर, बाड़मेर, सिरोही, नागौर और बीकानेर में 13,183 करोड़ रुपये की लागत से बिछाई जाने वाली 15.5 गीगावाट की उच्च क्षमता वाली विद्युत पारेषण लाइनें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बांसवाड़ा, उदयपुर, डूंगरपुर, सीकर और अजमेर सहित 11 जिलों में 5,884 करोड़ रुपये की लागत से पंद्रह नयी पेयजल आपूर्ति परियोजनायें, दो नए फ्लाईओवर का निर्माण, बनास नदी पर एक पुल, भरतपुर में अटल प्रगति पथ योजना के तहत 119 सड़कें और बीकानेर व जैसलमेर में तीन नए ग्रिड सबस्टेशन बनाए जायेंगे।

अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री कई पूरी हो चुकी परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे, जिनमें फलौदी में 1,400 मेगावाट और 925 मेगावाट क्षमता के संयुक्त सौर ऊर्जा संयंत्र, पीएम-कुसुम-सी योजना के तहत 3,132 करोड़ रुपये की लागत से

निर्मित 895 मेगावाट क्षमता के विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र, ईसरदा बांध, धौलपुर लिफ्ट योजना और अन्य क्षेत्रीय सिंचाई परियोजनाएँ, बाड़मेर, अजमेर, ब्यावर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, राजसमंद और उदयपुर में सात सड़क परियोजनाएँ, 20,833 करोड़ रुपये की एक जल संसाधन परियोजना आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री इस दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन - बीकानेर से दिल्ली कैंट और जोधपुर से दिल्ली कैंट के अलावा उदयपुर-चंडीगढ़ एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, विभिन्न विभागों में रोज़गार सृजन के सरकारी अभियान के तहत 15,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जायेंगे।

अधिकारी ने बताया, कुल मिलाकर, कार्यक्रम में 1.22 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया जाएगा, जिनमें से अकेले राजस्थान को 1,08,468 करोड़ रुपये की परियोजनायें मिलेंगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। वह बुधवार को बांसवाड़ा में कार्यक्रम स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लेंगे। कार्यक्रम से पहले, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंगलवार को बांसवाड़ा में घर-घर जाकर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए पारंपरिक निमंत्रण के रूप में 'पीले चावल' बांटे। राठौड़ ने कहा कि बांसवाड़ा की परमाणु परियोजना राजस्थान के लिए एक ऐतिहासिक पहल साबित होगी। उन्होंने कहा, यह परियोजना न केवल राज्य के लिए ऊर्जा स्वतंत्रता सुनिश्चित करेगी, बल्कि स्थानीय पर्यटन, रोजगार और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देगी।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए, राठौड़ ने पिछली कांग्रेस सरकार पर कुशासन और जनता की चिंताओं का समाधान करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जनसेवा की बजाय राजनीतिक नाटक को प्राथमिकता दी। इससे पहले, गहलोत ने मोदी से उदयपुर में 2022 में हुए कन्हैया लाल हत्याकांड की जाँच में धीमी प्रगति पर बोलने का अनुरोध किया था, जिसकी जांच एनआईए कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री से आदिवासी बहुल बांसवाड़ा जिले के दौरे के दौरान जिले के मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा देने की भी मांग की।

शहरी सेवा शिविर बन रहे जनकल्याण का सशक्त माध्यम : जोराराम कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेशभर में शहरी सेवा शिविर आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बन रहे हैं। जिला प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत एवं किसान आयोग अध्यक्ष सी. आर. चौधरी ने बुधवार को बालोतरा नगर परिषद के वार्ड संख्या 11, 12, 13 में लगें शिविरों का निरीक्षण कर आमजन से संवाद स्थापित कर पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का हाथों-हाथ लाभ प्रदान किया।

आर्यवीर समाज मैदान में लगे शहरी सेवा शिविरों में कुमावत ने व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सभी स्टॉल पर जाकर विभागों द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली और आमजन को योजनाओं के बारे में अधिकाधिक जागरूक कर लाभान्वित करने को कहा।

उन्होंने आमजन की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही स्ट्रीट लाइट, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,पेंशन,जनाधार,सफाई एवं आवारा पशु संबंधित प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों में जिला प्रशासन, नगरीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान और अधिक प्रभावी बन रहा है। कार्मिक इस कार्य में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतें।

शिविर में ई-मित्र द्वारा निर्धारित दर से अधिक राशि वसूल करने की शिकायत पर प्रभारी मंत्री कुमावत ने लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश दिये। उन्होने नगर परिषद अधिकारी को निर्देशित किया कि शिविर में पट्टों को लेकर किये जा रहे आवेदनों का तुरंत निस्तारण करें, यदि उसी दिन संभव न हो तो आगामी शिविर में पट्टों का वितरण सुनिश्चित करें।उन्होने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में भाग लेकर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार का उद्देश्य केवल घोषणा तक सीमित नहीं है बल्कि 'जनसेवा को जनआंदोलन' में बदलना है। एक ही स्थान पर जनता के विभिन्न कार्य हो रहे हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि आमजन के परिवादों का संवेदनशील होकर सजगता से निस्तारण करे, गरीब, मध्यमवर्ग, किसान, महिला व अंतिम छोर तक खड़े हर पात्र तक योजनाओं का लाभ पहुंचाएं।

प्रभारी मंत्री किसान आयोग अध्यक्ष सी. आर. चौधरी ने शिविर में पीएम आवास योजना (2.0) के अन्तर्गत 11 लाभार्थियों को 50 हजार रुपये की प्रथम किश्त के प्रतीकात्मक चैक, 11 लाभार्थियों को पट्टे, 4 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री मातृ पोषण योजना तथा 8 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से लाभान्वित करते हुए चैक वितरित किए।

कन्हैया लाल के परिवार को न्याय में देरी पर बयान दें मोदी : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि 25 सितंबर को राज्य के दौरे पर आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मृतक दर्जी कन्हैया लाल के परिवार को न्याय मिलने में हो रही देरी पर बयान देना चाहिए। उदयपुर में 2022 में कन्हैया लाल की दुकान के अंदर चाकूधारी दो लोगों ने कथित तौर पर उनकी हत्या कर दी थी। लाल पर आरोप था कि उन्होंने इस्लाम का अपमान किया था। जयपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गहलोत ने अपना आरोप दोहराया कि मुख्य आरोपी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा, यह एक रहस्य है कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा जांच किए जाने के बावजूद मामले में कोई उल्लेखनीय प्रगति क्यों नहीं हुई है। प्रधानमंत्री को अपने बांसवाड़ा दौरे के दौरान कन्हैया लाल के परिवार को न्याय में देरी पर बयान देना चाहिए। इस घटना के समय गहलोत मुख्यमंत्री थे और हत्या के कुछ ही घंटों बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था जिसके बाद भी मामला एनआईए को सौंप दिया गया। उन्होंने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी, परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा और मृतक के दोनों बेटों को सरकारी नौकरी दिए जाने के बावजूद भाजपा ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार को बदनाम किया।

सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को किया जाएगा सम्मानित : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रवासी राजस्थानी दिवस के लोगो का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने गत वर्ष दिसम्बर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हर वर्ष 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की घोषणा की थी। इसी क्रम में इस साल प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन जयपुर में 10 दिसम्बर को किया जाएगा। इस दिवस को सफल बनाने की दिशा में 26 सितंबर को हैदराबाद में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में प्रवासी राजस्थानी मीट का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में होने वाली प्रवासी राजस्थानी मीट की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि इस आयोजन से प्रवासी राजस्थानियों, निवेशकों एवं सरकारी प्रतिनिधियों को एक साझा मंच मिलेगा, जिससे आपसी संबंध और मजबूत होंगे तथा औद्योगिक सहयोग व निवेश की नई संभावनाएं बनेगी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक प्रवासी राजस्थानी इसमें भागीदारी कर सकें। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों, नवाचारों, औद्योगिक तथा निवेश नीतियों की जानकारी प्रवासी राजस्थानियों को दी जाएं, ताकि वे प्रदेश में निवेश कर राज्य के विकास में साझेदार बन सकें। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमण्डल की उद्यमियों से मीटिंग की जाएगी। साथ ही, कार्यक्रम में सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

विभागीय अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से हैदराबाद में आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी मीट की तैयारियों को लेकर जानकारी दी। इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

भजनलाल की व्यापारियों से उपभोक्ताओं तक जीएसटी दरों में कटौती का पूरा लाभ पहुंचाने की अपील

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने व्यापारी और दुकानदारों से उपभोक्ताओं तक वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) दरों में कटौती का पूरा लाभ पहुंचाने की अपील है। शर्मा ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जीएसटी स्लैब में सरलीकरण करते हुए दरों में कमी की है। इस कमी का लाभ प्रदेश के ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिले, इसके लिए राज्य सरकार 22 से 29 सितंबर तक 'जीएसटी बचत उत्सव' का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर जीएसटी सरलीकरण की घोषणा की थी। जिसके अनुसार गत 22 सितंबर से देश में अब जीएसटी की मुख्य रूप से दो दरें पांच और 18 प्रतिशत प्रभावी हो गई हैं। इस निर्णय से दैनिक जरूरत की वस्तुओं में भारी कमी आई है। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, व्यापारी और उद्योग जगत सहित सभी वर्ग इस सरलीकरण लाभान्वित होंगे और उन्हें आर्थिक संबल मिलेगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बिहार में 104 किमी लंबी रेलवे लाइन के दोहरीकरण को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने चुनावी राज्य बिहार में 104 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन (बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया एकल लाइन खंड) के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। इस काम पर करीब 2,192 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि यह परियोजना बिहार के चार जिलों को कवर करेगी और भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 104 किलोमीटर की वृद्धि करेगी। इस साल के अंत में बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं।

वैष्णव ने कहा कि दोहरीकरण से राजगीर (शांति स्तूप), नालंदा, पावापुरी जैसे प्रमुख स्थलों को भी रेल संपर्क की सुविधा मिलेगी जिससे देश भर से तीर्थयात्री और पर्यटक आएंगे।

सरकारी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 1,434 गांवों और लगभग 13.46 लाख आबादी, और दो आकांक्षी जिलों (गया और नवादा) तक संपर्क बढ़ेगा।

इसमें कहा गया है कि यह कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, फ्लाई ऐश जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए एक आवश्यक मार्ग है। क्षमता

वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 26 एमटीपीए (प्रति वर्ष मिलियन टन) अतिरिक्त माल यातायात होगा।

इसके पर्यावरणीय लाभों को रेखांकित करते हुए बयान में कहा गया है, रेलवे, परिवहन का एक पर्यावरण-अनुकूल और ऊर्जा-कुशल साधन होने के नाते, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, तेल आयात (पांच करोड़ लीटर) को कम करने और कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन (24 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद करेगा, जो एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

बयान में कहा गया है कि रेल पटरी की क्षमता में बढ़ोतरी से गतिशीलता में सुधार होगा, जिससे भारतीय रेलवे की दक्षता और सेवा संबंधी विश्वसनीयता बढ़ेगी। बयान में इस घोषणा के साथ बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने पर प्रकाश डालते हुए कहा गया, मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को आसान बनाएगा और भीड़भाड़ को कम करेगा, जिससे देशभर में भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर बहुत जरूरी बुनियादी ढांचा संबंधी विकास होगा।

इसमें कहा गया है, ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को 'आत्मनिर्भर' बनाएंगी जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इन परियोजनाओं की योजना 'पीएम-गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान' के तहत बनाई गई है, जिसका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों से परामर्श के माध्यम से 'मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी' और रसद दक्षता को बढ़ाना है।

धर्म परिवर्तन अवैध तो दंपति को शादीशुदा नहीं माना जा सकता: उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक मामले में कहा है कि एक बार धर्म परिवर्तन अवैध होने पर धर्मांतरण के बाद शादी करने वाले युगल को कानून की नजर में शादीशुदा जोड़े के तौर पर नहीं माना जा सकता।

न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव ने मोहम्मद बिन कासिम उर्फ अकबर नाम के एक व्यक्ति और अन्य द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता ने अदालत से प्रतिवादियों को उनके शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन में दखल नहीं देने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने बताया कि मोहम्मद बिन कासिम मुस्लिम समुदाय से आता है, जबकि जैनब परवीन उर्फ चंद्रकांता हिंदू धर्म से है। चंद्रकांता ने 22 फरवरी, 2025 को इस्लाम स्वीकार कर लिया और उसी दिन खानकाहे आलिया अरिफिया द्वारा इसका प्रमाण पत्र जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि 26 मई, 2025 को मोहम्मद बिन कासिम ने जैनब परवीन उर्फ चंद्रकांता से मुस्लिम रीति रिवाज से निकाह किया और संबंधित काजी द्वारा विवाह प्रमाण पत्र भी जारी किया गया। हालांकि, अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता ने इस आधार पर याचिका का विरोध किया कि कथित तौर पर खानकाहे आलिया अरिफिया द्वारा जारी धर्मांतरण प्रमाण पत्र फर्जी है क्योंकि जामिया अरिफिया, कौशांबी के सचिव/प्रबंधक सैयद सरवान द्वारा बताया गया कि 22 फरवरी, 2025 को उनके संस्थान द्वारा कभी कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है। अदालत ने कहा, संबंधित पक्षों के वकीलों की दलीलें सुनने और संपूर्ण रिकॉर्ड पर गौर करने के बाद एक बात एकदम साफ है कि फर्जी दस्तावेज के आधार पर धर्मांतरण, उप्र गैर कानूनी धर्मांतरण अधिनियम में उल्लिखित आवश्यक तत्वों में से किसी का निर्धारण नहीं कर सकता। अदालत ने कहा, दोनों पक्षों के बीच ऐसी शादी कानून की नजर में भी कहीं नहीं टिकती क्योंकि मुस्लिम कानून के मुताबिक, शादी इस्लाम को मानने वालों के बीच एक अनुबंध है। एक बार धर्म परिवर्तन अवैध होने पर कानून की नजर में उस दंपति को शादीशुदा दंपति के तौर पर नहीं माना जा सकता। हालांकि, अदालत ने कहा कि दोनों याचिकाकर्ताओं (मोहम्मद बिन कासिम और चंद्रकांता) विशेष विवाह अधिनियम के तहत विवाह करने के पात्र हैं जिसके लिए धर्म परिवर्तन की जरूरत नहीं है।

हाल के दशकों में गंगा नदी 'अभूतपूर्व' रूप से सूखी है: अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। गंगा नदी के जल प्रवाह के 1300 वर्ष के रुझानों के विश्लेषण पर आधारित एक अध्ययन में कहा गया है कि पिछले कुछ दशकों में इस नदी में जलधारा सूखने की जो प्रवृत्ति देखी गई है वह इस नदी घाटी में जीवन बसर कर रहे लाखों लोगों पर भीषण और अभूतपूर्व प्रभाव डाल सकती है। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की पत्रिका 'प्रोसीडिंग्स' में प्रकाशित निष्कर्षों में कहा गया है कि जलधारा सूखने की जैसी प्रवृत्ति '1991 से 2020 तक देखने को मिली वैसी पिछली सहस्राब्दी से पहले देखने को नहीं मिली।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर और अमेरिका के एरिजोना विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने गंगा के सूखने का संबंध दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून-सितंबर) के दौरान कम वर्षा से जोड़ा है। दल ने 1991-2020 के दौरान उपकरणों, ऐतिहासिक अभिलेखों और जल प्रवाह के मॉडल के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों का उपयोग किया, और पिछले 1,300 वर्षों (700-1990 ई.) के जल प्रवाह मॉडल का पुनर्निर्माण किया। अध्ययन के लेखकों ने कहा, 60 करोड़ से अधिक लोगों के लिए महत्वपूर्ण गंगा नदी घाटी में (जलधारा के प्रवाह में) गंभीर और अभूतपूर्व कमी की प्रवृत्ति देखी जा रही है, जिससे जल और खाद्य सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा है। दल ने पाया कि 1990 के दशक से गंगा नदी जल प्रवाह के सूखने की जो प्रवृत्ति लगातार लम्बे काल से देखी गई इसकी तुलना 16वीं शताब्दी में इसी तरह जलधारा सूखने से की जा सकती है किंतु मौजूदा प्रवृत्ति पिछली प्रवृत्ति की तुलना में 76 प्रतिशत अधिक विकट है।

जब आसमान में सूरज चमक रहा हो, तो इसकी घोषणा करने की जरूरत नहीं : खेड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को संकेत दिया कि बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव को 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है, हालांकि उन्होंने इसका औपचारिक एलान करने से परहेज किया।

कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के इतर पार्टी के प्रचार एवं मीडिया विभाग के प्रमुख खेड़ा ने पत्रकारों से बातचीत की।

जब उनसे महागठबंधन की ओर से यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने में कांग्रेस की झिझक को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, हम मुद्दों पर चुनाव लड़ रहे हैं। चेहरे आपके सामने हैं। सबको सब पता है। आप एक ऐसा सवाल पूछ रहे हैं जिसका जवाब पहले से ही सभी जानते हैं।

साल 2020 में यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने के कांग्रेस के फैसले का हवाला देते हुए जब उनसे पूछा गया कि इस बार ऐसा क्यों नहीं किया गया तो उन्होंने काव्यात्मक अंदाज में कहा, जब आसमान में सूरज चमक रहा हो तो उसकी घोषणा की आवश्यकता नहीं होती। भाजपा नीत राजग नेताओं, खासकर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के इस दावे को भी खेड़ा ने खारिज कर दिया कि पटना में सीडब्ल्यूसी की बैठक का आयोजन कांग्रेस की अपने सहयोगियों पर दवाब बनाने की कवायद है। उन्होंने कहा, भाइयों के बीच ताकत दिखाने जैसी कोई बात नहीं होती। सीट बंटवारे के सवाल पर खेड़ा ने कहा, जल्द ही सारी जानकारी साझा की जाएगी।

बिहार में 'इंडिया' गठबंधन में राजद के अलावा भाकपा (माले) लिबरेशन, भाकपा (माले), भाकपा और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी शामिल हैं।

पत्रकारों ने जब यह पूछा कि स्वतंत्रता के बाद यह पहला मौका है जब बिहार में सीडब्लूसी की बैठक हो रही है, तो कांग्रेस नेता ने पलटवार किया, पहली बार वोट चोरी भी हुई है।

खेड़ा ने आरोप लगाया, भारतीय जनता पार्टी सत्ता में बने रहने के प्रति सिर्फ इसलिए आश्वस्त रहती है क्योंकि वह वोट चोरी करती है। सत्ता पक्ष का यह अहंकार बेरोजगारी जैसी गंभीर समस्याओं के प्रति लापरवाही का कारण बन गया है। उन्होंने जोर देकर कहा, सीडब्ल्यूसी की यह बैठक बिहार के चुनावों की दृष्टि से नहीं बल्कि हमारे लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने के लिए है।

डबल इंजन सरकार में एक इंजन भ्रष्टाचार और दूसरा अपराध, राजग सरकार 'नोटचोर' : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस ने बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग सरकार पर नोटचोर होने का आरोप लगाया और दावा किया कि भ्रष्टाचार एवं अपराध डबल इंजन सरकार के असली दो इंजन हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यहां कांग्रेस कार्य समिति की बैठक के बाद यह दावा भी किया कि तेलंगाना में विधानसभा चुनाव से दो महीने पहले कार्य समिति की बैठक हुई थी और वहां कांग्रेस की सरकार बनी, उसी तरह अब पटना की बैठक के बाद बिहार में महागठबंधन की सरकार बनेगी।

कार्य समिति में पारित बिहार से संबंधित प्रस्ताव में भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) के गठबंधन को अपवित्र बताया गया है।

प्रस्ताव में कहा गया है, नीतीश कुमार के खोखले वादों और विश्वासघात से आक्रोशित होकर आज बिहार की जनता सड़कों पर है। मुख्यमंत्री के रूप में 20 वर्षों के लंबे कार्यकाल के बावजूद उन्होंने जनता को सशक्त बनाने के लिए बेहद कम काम किया है। कभी 27 प्रतिशत रहने वाला चीनी उत्पादन घटकर सिर्फ़ तीन प्रतिशत पर सिमट गया है और औद्योगिक विकास लगभग ठप है।

कार्य समिति ने दावा किया कि राज्य की पूंजीगत आवश्यकताओं का महज़ 33 प्रतिशत ही स्वयं राज्य द्वारा पूरा किया जा रहा है, शेष के लिए बिहार को केंद्र, विकास बैंकों और ऋणों पर निर्भर रहना पड़ता है तथा यह ऋण-निर्भरता बिहार को और अधिक ग़रीबी और पिछड़ेपन की ओर धकेल रही है।

उसने यह भी कहा, जदयू और भाजपा के अपवित्र गठबंधन के बाद, भ्रष्टाचार और अपराध तथाकथित डबल इंजन सरकार के असली इंजन बन कर सामने आये हैं। कार्य समिति ने आरोप लगाया, यह सरकार नोटचोर है, इसका सबसे बड़ा सबूत सीएजी की रिपोर्ट है, जिसमें बिहार के 49,649 लंबित उपयोगिता प्रमाण-पत्र का उल्लेख हैं और इनकी राशि भयावह 70,877 करोड़ रुपए तक पहुंचती है। इसे सिर्फ भ्रष्टाचार कहना कम होगा, यह संगठित लूट है, दिन-दहाड़े डकैती है, जिसने जनता का खून चूसकर सत्ता को पाला-पोसा है। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी का नाम लिए बगैर कार्य समिति के प्रस्ताव में कहा गया, नीतीश कुमार के सबसे क़रीबी सहयोगी के इर्द-गिर्द सैकड़ों करोड़ के भ्रष्टाचार घोटाले उजागर हो चुके हैं। प्रस्ताव में यह दावा भी किया गया है कि जब करोड़ों भूखे, बेघर और भूमिहीन सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं, एनडीए सरकार ने भागलपुर में एक हज़ार एकड़ से ज़्यादा ज़मीन अपने हितैषी अदाणी समूह को एक बिजली परियोजना के लिए एक रुपए प्रति एकड़ प्रति वर्ष की दर से पट्टे पर दे दी है। कार्य समिति ने दावा किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बिहार यात्रा के पीआर हथकंडों से परे, सच्चाई साफ़ है कि राजग सिर्फ़ वोट चोर ही नहीं, बल्कि ज़मीन चोर भी है।

विदेश नीति दोस्ती से तय नहीं होती : राहुल

पटना/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क (टैरिफ) लगाने और एच1बी वीजा से जुड़े उनके कदमों की पृष्ठभूमि में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि विदेश नीति निजी दोस्ती से तय नहीं होनी चाहिए। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस की विस्तारित कार्य समिति की बैठक में यह टिप्पणी की। बैठक के बाद सूत्रों ने कहा कि राहुल गांधी ने अमेरिका के हालिया कदमों और ट्रंप के बयानों का उल्लेख करते हुए मोदी सरकार की तीखी आलोचना की। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री को ट्रंप के सामने खड़ा होना चाहिए और भारत के राष्ट्रीय हित को सबसे आगे रखना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने कथित वोट चोरी के विषय का भी उल्लेख किया और कहा कि वह आगे भी तथ्यों के साथ जनता के सामने अपनी बात रखेंगे। उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा की सफलता के लिए कांग्रेस की बिहार इकाई और सहयोगी दलों की तारीफ की।

एआईएमआईएम को छह विधानसभा सीटें मिलें तो बिहार में 'इंडिया' गठबंधन में शामिल होंगे : ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किशनगंज (बिहार)/भाषा। बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद करने के आरोपों पर नाराजगी जताते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में अगर उनकी पार्टी को छह सीट दी जाती हैं तो वह विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' में शामिल हो जाएंगे।

हैदराबाद से सांसद ओवैसी किशनगंज में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। किशनगंज उत्तर बिहार का एक ऐसा जिला है जहां की लगभग दो-तिहाई आबादी मुस्लिम है। यहीं से उन्होंने तीन दिवसीय 'सीमांचल न्याय यात्रा' की शुरुआत की। ओवैसी ने कहा, मेरी पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को कई पत्र लिखे हैं। आखिरी पत्र में अनुरोध किया गया है

कि विधानसभा की 243 सीटों में से एआईएमआईएम को छह सीटें दी जाएं। उन्होंने कहा, अब गेंद 'इंडिया' गठबंधन के पाले में है। हमने यह पहल इसलिए की ताकि हम पर भाजपा की मदद करने का आरोप न लगे। अगर गठबंधन की तरफ से उचित जवाब नहीं मिलता है तो यह साफ हो जाएगा कि वास्तव में भाजपा की मदद कौन कर रहा है।

गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और उनमें से पांच पर जीत दर्ज की थी। हालांकि, दो साल बाद प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान को छोड़कर पार्टी के सभी विधायक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में शामिल हो गए। हालांकि आरोप लगा था कि एआईएमआईएम द्वारा मुस्लिम मतदाताओं, खासकर सीमांचल क्षेत्र में अल्पसंख्यक समुदाय में सेंधमारी की वजह से ही महागठबंधन पिछले विधानसभा चुनाव में बहुमत पाने से चूक गया था। यादव की उस कथित टिप्पणी के बारे में औवैसी से पूछा गया जिसमें विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा था कि वह एआईएमआईएम को बिहार में तभी सीटें देंगे जब राजद को हैदराबाद में कुछ सीटें चुनाव लड़ने के लिए मिलें। इस टिप्पणी पर ओवैसी ने पलटवार करते हुए कहा, वह (यादव) 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं और तेलंगाना में कांग्रेस सत्ता में है। वह चाहें तो वहां चुनाव लड़ें और वोट हासिल करें, मुझे कोई आपत्ति नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि उनकी पार्टी ने अन्य घटक दलों जैसे कांग्रेस और वाम दलों से बातचीत क्यों नहीं की तो ओवैसी ने कहा, क्योंकि राज्य में 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व राजद ही कर रहा है। हैदराबाद से सांसद ने उत्तर प्रदेश में मुस्लिम युवकों पर 'आई लव मोहम्मद' लिखे पोस्टर लगाने के लिए दर्ज मामलों को गलत और असंवैधानिक बताया।

मणिपुर में असम राइफल्स काफिले पर हमले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

इम्फाल/भाषा। मणिपुर में 19 सितंबर को असम राइफल्स (एआर) के काफिले पर हुए हमले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस हमले में दो जवान शहीद हो गए थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर कुछ हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव सिंह ने एक बयान में कहा, कामेंग क्षेत्र में सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी की विशेष सूचना मिलने पर, जिला पुलिस इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, 33 एआर और अन्य सुरक्षा बलों की एक टीम ने 23 सितंबर की देर रात लगभग एक बजे एक विशेष अभियान शुरू किया।

बयान में कहा गया, अभियान के दौरान, खोमद्रम ओजित सिंह उर्फ कीलाल (47) नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया... उसने स्वीकार किया कि वह घात लगाकर किए गए हमले में सीधे तौर पर शामिल था। इसमें कहा गया है कि गत 19 सितम्बर को सशस्त्र लोगों के एक समूह ने अर्धसैनिक बल के एक वाहन पर घात लगाकर हमला किया था जिसमें असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए थे तथा पांच अन्य घायल हो गए थे। हमले में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। इसमें कहा गया है, उसने यह भी खुलासा किया कि उसे 22 अप्रैल, 2007 को पहले भी गिरफ्तार किया गया था...जांच के दौरान पता चला कि वह 19 सितंबर को सबल लेईकाई, नाम्बोल (जिला बिष्णुपुर) में शाम लगभग साढ़े पांच बजे 33 एआर कर्मियों के खिलाफ घात लगाकर किए गए हमले में सीधे तौर पर शामिल था। बयान में कहा गया है, एआर कर्मियों पर गोलीबारी करने के बाद, वह अन्य व्यक्तियों के साथ लोकटक झील की ओर भाग गया और अपने हथियार और गोला-बारूद एक गुप्त स्थान पर छिपा दिए।

झारखंड के गुमला में सुरक्षा बलों से हुई मुठभेड़ में तीन माओवादी ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के गुमला जिले में बुधवार सुबह सुरक्षा बलों से हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित माओवादी समूह के कम से कम तीन सदस्य ढेर हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

सुबह करीब आठ बजे बिष्णुपुर थाना क्षेत्र के केचकी गांव के पास एक जंगली इलाके में झारखंड जगुआर और गुमला पुलिस समेत सुरक्षा बलों और झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के माओवादियों के बीच यह मुठभेड़ हुई। आईजी (अभियान) और झारखंड पुलिस के प्रवक्ता माइकल राज एस ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मुठभेड़ में जेजेएमपी के तीन माओवादी ढेर हो गए। घटनास्थल से तीन हथियार भी बरामद किए गए। गुमला के एसपी हारिस बिन जमां ने कहा कि माओवादियों की पहचान लोहरदगा जिले के निवासियों लालू लोहरा एवं सुजीत उरांव और लातेहार के रहने वाले छोटू उरांव के रूप में हुई है। गुमला के एसपी को केचकी के जंगली इलाके में जेजेएमपी के सक्रिय सदस्यों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। पुलिस के एक बयान के अनुसार, खुफिया जानकारी के आधार पर, झारखंड जगुआर और गुमला पुलिस ने एक संयुक्त अभियान की योजना बनाई गई। बुधवार सुबह केचकी इलाके में यह अभियान चलाया गया। पुलिसकर्मियों को देखते ही जेजेएमपी माओवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें तीन माओवादी मारे गए। तलाशी अभियान के दौरान एक एके-56 राइफल, एक इंसास राइफल, एक एसएलआर और कई कारतूस बरामद किए गए। पुलिस के एक बयान के अनुसार, जेजेएमपी संगठन लगभग समाप्त हो चुका है।

प्रधानमंत्री के 'दोस्त' ट्रंप भारत को अनेक संकट में डाल रहे हैं: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जिनको मेरे दोस्त बताकर ढिंढोरा पीटते हैं, वही दोस्त आज भारत को अनेक संकट में डाल रहे हैं। उन्होंने कहा, पटना में हो रही कार्य समिति की यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण है। हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जबकि अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय, दोनों स्तरों पर भारत एक बेहद चुनौतीपूर्ण और चिंताजनक दौर से गुज़र रहा है।

खरगे ने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी मुसीबतें नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार की नाकामी और कूटनीतिक विफलता का नतीजा हैं।

उन्होंने कटाक्ष किया, प्रधानमंत्री जिनको मेरे दोस्त बताकर ढिंढोरा पीटते हैं, वही दोस्त आज भारत को अनेक संकट में डाल रहे हैं।

ट्रंप ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में अपने संबोधन में कहा था कि चीन और भारत रूसी तेल खरीद कर यूक्रेन में रूसी युद्ध के प्राथमिक वित्तपोषक हैं।

ट्रंप प्रशासन ने रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाया है, जिससे अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर यह दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाया था।

ट्रंप ने कहा, मैंने सात युद्ध समाप्त करवाये, जिनमें अनगिनत लोग मारे गए हैं। इसमें कंबोडिया-थाईलैंड, कोसोवो-सर्बिया, कांगो-रवांडा, पाकिस्तान-भारत, इजराइल-ईरान, मिस्र-इथियोपिया तथा आर्मेनिया-अजरबैजान युद्ध शामिल हैं।

इस साल 10 मई को, जब ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान ''पूर्ण और तत्काल'' संघर्ष विराम के लिए सहमत हो गए हैं, तब से उन्होंने लगभग 50 बार यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव ''घटाने'' में मदद की है।

भारत लगातार यह कहता रहा है कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष समाप्त करने पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी संसद में स्पष्ट कर चुके हैं कि किसी भी देश के नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने को नहीं कहा था।

सुविचार

अगर आप सफल होना चाहते हो तो आपको अपने काम में एकाग्रता लानी होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

छोटे कदम, बड़े बदलाव

स्वच्छता के क्षेत्र में कीर्तिमान रच चुके इंदौर शहर ने 'नो कार डे' मनाकर एक और मिसाल कायम कर दी है। देश के अन्य शहर और गांव भी इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। इंदौरवासियों ने 'नो कार डे' मनाते हुए लगभग 80,000 लीटर पेट्रो ईंधन की बचत की है। इसका फायदा इंदौरवासियों को मिलेगा। आज जिस तरह वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, उसके मद्देनज़र इंदौर का यह प्रयोग हमें नई राह दिखा सकता है। इस दिन राजनेता और पुलिस अधिकारी साइकिल चलाते नजर आए। कई उच्चाधिकारी इलेक्ट्रिक वाहन चलाकर अपने दफ्तर पहुंचे। कुछ न्यायाधीशों ने भी कार का इस्तेमाल नहीं किया। अगर लोग ठान लें तो कुछ भी असंभव नहीं है। वे अपने शहर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बना सकते हैं। अगर वे प्रतिज्ञा कर लें तो अपने शहर की हवा को सबसे साफ बनाने की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। 'नो कार डे' की तर्ज पर कुछ और डे भी मनाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, कई लोग दिन-रात अपने मोबाइल फोन के साथ व्यस्त रहते हैं। अगर वे चिंतन करेंगे तो पाएंगे कि जरूरी काम के लिए सीमित उपयोग पर्याप्त होता है। उनका काफी समय ऐसी सामग्री देखने में गुजर जाता है, जो उपयोगी नहीं होती है। इसे ध्यान में रखते हुए हफ्ते या पखवाड़े में एक दिन 'नो मोबाइल फोन डे' मनाना चाहिए। उस दिन बहुत जरूरी होने पर ही फोन देखें। यह नहीं होना चाहिए कि बचा हुआ समय टीवी या ओटीटी को भेंट कर दें। उस दिन या तो अपना काम करें या कोई अच्छी पुस्तक पढ़ें।

प्राय: लोग जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, प्लास्टिक कचरा, जंक फूड के बढ़ते चलन, संसाधनों का अपव्यय जैसी समस्याओं का जिक्र तो खूब करते हैं, लेकिन सुख-सुविधाएं नहीं छोड़ पाते। हमें कुछ हौसला दिखाते हुए गर्मियों में 'नो एसी डे' भी मनाना चाहिए। महीने में कोई एक दिन ऐसा होना चाहिए, जब हम बिजली से चलने वाले सभी उपकरणों का कम से कम इस्तेमाल करें। पिछले दो दशकों में प्लास्टिक कचरा इतना ज्यादा फैल गया है कि कई समुद्री जीवों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। क्या हम 'नो प्लास्टिक डे' मनाकर सिंगल यूज़ प्लास्टिक की जगह पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपना सकते हैं? जंक फूड को छोड़ पाना आसान नहीं होता है। कई लोग तो डॉक्टर की सलाह के बाद भी इसे नहीं छोड़ पाते। हालांकि संयम के अभ्यास से यह संभव है। हम 'नो जंक फूड डे' मनाकर अपने लिए ही भलाई करेंगे। अगर गौर करेंगे तो पाएंगे कि कुछ वर्षों में शोरगुल की मात्रा में काफी बढ़ोतरी हुई है। कई ड्राइवर अकारण ही वाहन का हॉर्न बजाते हैं। कुछ लोग लाउडस्पीकर पर उच्च डेसिबल पर गाने आदि बजाते हैं। उस समय ऐसा लगता है कि इन्होंने पूरे मोहल्ले को गाना सुनाना अपना कर्तव्य समझ लिया है! अगर हफ्ते में कोई एक दिन ऐसा हो, जब बग़ैर जरूरत कोई ड्राइवर हॉर्न न बजाए और लाउडस्पीकर शांत रहें तो वातावरण में बहुत शांति होगी। आज नकारात्मकता भी एक बड़ी समस्या बन चुकी है। सोशल मीडिया से लेकर समाचार चैनलों तक, बहुत कम सकारात्मक बातें देखने-सुनने को मिलती हैं। हर जगह नकारात्मकता ज्यादा फैली हुई है। कई लोग तो वर्षों पहले हुई घटना को याद कर अपना पूरा दिन खराब कर लेते हैं। क्या ही अच्छा हो, अगर हम 'नो नेगेटिविटी डे' मनाएं। उस दिन सिर्फ सकारात्मक बातों का जिक्र करें, सकारात्मक ही सोचें! जीवन की कई समस्याओं का समाधान तो हम इसी तरह ढूंढ़ सकते हैं। बस, दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प की जरूरत है।

ट्वीटर टॉक

25 सितंबर 2025 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर प्रातः 8 बजे आयोजित राष्ट्रव्यापी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम एक दिन, एक घंटा, एक साथ में भाग लेकर आइए, हम सब मिलकर अपने देश को स्वच्छ बनाने में योगदान दें।

-मदन राठौड़

64वें राष्ट्रीय ललित कला अकादमी पुरस्कार समारोह में राजस्थान की गौरवशाली धरती से डॉ. गिरिराज शर्मा जी को मूर्तिकला तथा डॉ. कनुप्रिया जी को मिक्स्ड मीडिया के क्षेत्र में अनुपम-उल्लेखनीय योगदान हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

मुख्यमंत्री निवास पर प्रवासी राजस्थान दिवस के लोगो का अनावरण किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों को आगामी 26 सितम्बर को हैदराबाद में आयोजित होने वाली प्रवासी राजस्थानी कनेक्ट मीट के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

आदर्श की प्रतिमूर्ति

आध्यात्मिक गुरु श्रीरामकृष्ण परमहंस के विराट व्यक्तित्व से तो सब परिचित हैं, पर उनकी पत्नी शारदा मणि का जीवन भी उतना ही उच्च आध्यात्मिक व मानवीय मूल्यों से युक्त था। वे भी सांसारिक विषय-वासनाओं और प्रलोभनों से दूर रहती थीं। एक बार एक धनी व्यापारी ने श्रीरामकृष्ण को मोटी धनराशि दान में देनी चाही। परमहंस जी ने विनम्रता से मना करते हुए कहा कि उन्हें किसी धन की आवश्यकता नहीं। जब व्यापारी ने बार-बार आग्रह किया, तो श्रीरामकृष्ण ने कहा'मुझे नहीं चाहिए, शायद मेरी पत्नी को आवश्यकता हो।' उन्होंने शारदा मणि को बुलाकर स्थिति बताई। शारदा मणि ने स्पष्ट शब्दों में उत्तर दिया'जब आपको धन की आवश्यकता नहीं, तो मुझे कैसे हो सकती है? मैं आपकी अर्द्धांगिनी हूं। यदि मैं कोई कर्म करती हूं तो आप भी उसके सहभागी होंगे। इसलिए यह धन मैं कदापि नहीं ले सकती।' उनकी निष्ठा, विचार और त्याग देखकर श्रीरामकृष्ण परमहंस भावविभोर हो उठे। वे हाथ जोड़कर बार-बार बोले'आनन्दमयी मां... आनन्दमयी मां!'

सामयिक

अन्त्योदय नये भारत का आधार

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारतीय समाज एवं राष्ट्र को सुखी, संपन्न एवं मंगलकारी बनाने के निमित्त 'एकात्म मानव-दर्शन' व 'अन्त्योदय' की अद्भुत संकल्पना देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र-निर्माता एवं समाज-सुधारक महा व्यक्तित्व थे। आज की भारतीय जनता पार्टी उन्हीं के सिद्धान्तों को अग्रसर करते हुए उन्नत, सशक्त एवं विकसित भारत को आकार दे रही है।

भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक चेतना में सदैव यह विचार रहा है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है जब समाज का सबसे अंतिम व्यक्ति-वह व्यक्ति जो सबसे अधिक उपेक्षित, वंचित और अभावग्रस्त है, उसके जीवन में भी सुख, सम्मान और समृद्धि का प्रकाश पहुँचे। यही विचारधारा अंत्योदय के रूप में प्रकट हुई। अंत्योदय केवल एक नारा या कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह समाज-जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। अंत्योदय दिवस इसी दर्शन की याद दिलाने और उसे व्यवहार में उतारने का अवसर है। यह दिवस हर वर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है, क्योंकि यही पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मतिथि है। दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के सिद्धांत को भारतीय राजनीति और समाज के केन्द्र में स्थापित किया। उन्होंने कहा था कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि उस सत्ता का उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

आज गांव, गरीब और स्वराज में दीनदयाल उपाध्याय की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है। अंत्योदय दिवस मनाने का मूल उद्देश्य हमें यह स्मरण कराना है कि लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ तभी साकार होता है जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास यात्रा में शामिल हो सके। यह दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि योजनाएँ और नीतियाँ केवल कागज़ों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ उस व्यक्ति तक पहुँचे जो वर्षों से उपेक्षा, गरीबी और अभाव का शिकार रहा है। आज भारत नए शिखरों की ओर अग्रसर है। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान निरंतर बढ़ रही है। लेकिन यदि यह प्रगति समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति तक नहीं पहुँचती, तो यह विकास अधूरा है। इसलिए अंत्योदय दिवस हमें विकास के मानवीय आयाम की याद दिलाता है। यह नागरिकों और नीति निर्माताओं को वंचितों का समर्थन करने की जिम्मेदारी का अहसास कराता है। सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है, और पूरे देश में समावेशी विकास को प्रोत्साहित करता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को हुआ था। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे और एक प्रखर चिंतक, दार्शनिक तथा समाज सुधारक थे। उनका सबसे बड़ा योगदान था-एकात्म मानववाद और अंत्योदय का दर्शन। एकात्म मानववाद का अर्थ था कि मनुष्य को केवल आर्थिक इकाई न माना जाए, बल्कि उसके जीवन के सभी आयामों-शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक का संतुलित विकास हो। उनका एकात्म मानववाद' का दर्शन व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता तथा आत्मनिर्भरता पर केंद्रित था। अंत्योदय का अर्थ था विकास की कसौटी पर यह देखना कि समाज में सबसे अंतिम व्यक्ति का जीवन कितना सुधर रहा है। उन्होंने कहा था कि हमारी योजनाओं और प्रयासों की सफलता तभी मानी जाएगी जब सबसे अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुँचे। दीनदयाल जी का यह दर्शन महात्मा गांधी की 'अंतिम जन' की अवधारणा से भी जुड़ा है। गांधीजी कहा करते थे कि किसी भी निर्णय से पहले यह सोचना चाहिए कि उसका लाभ सबसे अंतिम और सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचेगा या नहीं। दीनदयाल उपाध्याय ने इसी विचार को राजनीतिक और आर्थिक विमर्श का आधार बनाया। आज जबकि समूची देश एवं दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी अभाव, उपेक्षा एवं संघर्षरत लोगों के लिये पंडित उपाध्याय का अंत्योदय' एवं एकात्म मानववाद ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है।

अंत्योदय' का शाब्दिक अर्थ है-'अंतिम व्यक्ति का उदय'। इसका व्यावहारिक अर्थ है कि गरीब को जीवन की बुनियादी आवश्यकताएँ मिलें, किसान, श्रमिक, दलित, आदिवासी और वंचित वर्ग की समस्याओं का समाधान हो, समाज में कोई भी उपेक्षित या निराश्रित न रहे और आर्थिक असमानता घटे गरीबी का संबोधन खत्म हो ताकि सभी को समान अवसर मिलें। यह केवल आर्थिक उत्थान तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और आत्मनिर्भरता की स्थापना का भी संदेश है। आज भारत गरीबमुक्ति की ओर अग्रसर होकर इसी विचार एवं दर्शन को मजबूती दे रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाने निर्णय इसलिये लिया गया कि उन्होंने जीवनभर वंचितों, गरीबों और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए चिंतन और कार्य किया। उनका जीवन तपस्या और सादगी का प्रतीक था। वे स्वयं किसी प्रकार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से दूर थे, लेकिन समाज के लिए समर्पित थे।

आज जब भारत 'सशक्त भारत' और 'नए भारत' के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है, तब अंत्योदय का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत में अब भी करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। अंत्योदय यह मांग करता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ हर गरीब और वंचित तक पहुँचें। यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि हर हाथ को काम मिले और हर परिवार आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आधार बनाकर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र दिया है। यह मंत्र अंत्योदय की ही आधुनिक व्याख्या है। वर्तमान समय में अंत्योदय का दर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि वैश्वीकरण और बाजारवाद की दौड़ में गरीब और उपेक्षित वर्ग अक्सर पीछे छूट जाता है। केवल अमीर और सशक्त वर्ग ही विकास का लाभ उठा पाते हैं। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भूखा सोता है, तो हमारी प्रगति अधूरी है। यदि एक किसान आत्महत्या करने को विवश होता है, तो हमारी नीतियाँ अधूरी हैं। यदि आदिवासी, दलित या श्रमिक अब भी शोषण का शिकार हैं, तो हमारा लोकतंत्र अधूरा है। अंत्योदय इन सभी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्चा विकास वही है, जिसमें हर कोई भागीदार बने।

भारतीय समाज एवं राष्ट्र को सुखी, संपन्न एवं मंगलकारी बनाने के निमित्त 'एकात्म मानव-दर्शन' व 'अन्त्योदय' की अद्भुत संकल्पना देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र-निर्माता एवं समाज-सुधारक महा व्यक्तित्व थे। आज की भारतीय जनता पार्टी उन्हीं के सिद्धान्तों को अग्रसर करते हुए उन्नत, सशक्त एवं विकसित भारत को आकार दे रही है। उन्होंने भारत के जन-मन-गण को गहराई में आत्मसात करते हुए न केवल वैचारिक क्रांति की बल्कि व्यक्ति-क्रांति के भी प्रेरक बने। उनके दर्शन में आज भारत की संस्कृति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ-साथ मानव को केंद्र-बिंदु में रखकर ही राष्ट्र एवं समाज स्थापना की प्रेरणा मिलती है। सहृदयता, बुद्धिमता, सक्रियता एवं अध्यवसायी वृत्ति वाले पंडित उपाध्याय एक व्यक्ति नहीं, अपितु एक विचार, एक संस्था और जीवन-शैली हैं। भारत और भारतीयता उनके जीवन और चिंतन का आवृत्त है। राष्ट्रसेवा को सर्वोपरि मानने वाले और राष्ट्र एवं समाज के प्रति आजीवन समर्पित रहने वाले पंडितजी ने अपने मौलिक चिंतन से राष्ट्र-जीवन को प्रेरित और प्रभावित किया।

अंत्योदय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र की शक्ति का वास्तविक स्रोत वह अंतिम व्यक्ति है जो आज भी अभावों में जी रहा है। यदि उसका जीवन सुधरता है, तभी भारत वास्तव में समृद्ध और सशक्त बन सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है। यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवीयता का धर्म है। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी योजना, किसी भी नीति या किसी भी प्रयास का केन्द्र सदैव समाज का अंतिम व्यक्ति होगा। अंत्योदय दिवस का संदेश यही है कि नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब वंचित और उपेक्षित व्यक्ति का जीवन बदल जाए, जब हर चेहरे पर मुस्कान और हर जीवन में सम्मान हो।

नजरिया

शक्ति और साहस का पर्व है नवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

नवरात्रि का मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित है जिन्हें शक्ति, साहस, और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि का अर्थ है 'नौ रातें', और इस दौरान भक्त देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं, उपवास रखते हैं, और भक्ति में लीन रहते हैं। नवरात्रि का त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

वसन्त की शुरुआत और शरद ऋतु की शुरुआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने-कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं। नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। नवरात्रि व्रत का मूल उद्देश्य है इंद्रियों का संयम और आध्यात्मिक शक्ति का संचय। वस्तुत: नवरात्र अंत:शुद्धि का महापर्व है। आज वातावरण में चारों तरफ विचारों का प्रदूषण है। ऐसी स्थिति में नवरात्र का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

गगनयान के लिए प्रशिक्षण जोर-शोर से जारीः अंतरिक्ष यात्री प्रशांत बी. नायर

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारत के गगनयान मिशन में शामिल भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर ने बुधवार को कहा कि इसके लिए प्रशिक्षण जोर-शोर के साथ जारी है।

नायर यहां मॉडल स्कूल थाइकॉड के छात्रों से बातचीत के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। नायर ने कहा कि भारत 2027 में हमारे कैप्सूल से अंतरिक्ष में अपना पहला व्यक्ति भेजेगा, लेकिन उससे पहले कई परीक्षण किए जाने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि पहले एक रोबोट 'व्योम मित्र' को परीक्षण के तहत भेजा जाएगा और फिर कई अन्य मिशन होंगे। उन्होंने कहा, यह एक सतत कार्यक्रम होगा और इसका केंद्र तिरुवनंतपुरम और बेंगलूरु के बीच होगा।

मिशन के प्रशिक्षण के बारे में उन्होंने कहा कि यह जोर-शोर के साथ जारी है और पूरी गगनयान टीम भारत सरकार, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और वायु सेना के ऋणी है, जिन्होंने उनका चयन किया और उन्हें प्रशिक्षित किया।

ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप, ग्रुप कैप्टन अजित कृष्णन और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला गगनयान दल के चार सदस्य हैं।

स्कूली बच्चों के साथ अपनी बातचीत के बारे में उन्होंने इसे एक अच्छा अनुभव बताया। ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर ने कहा कि उन्होंने बच्चों से गगनयान मिशन और उसके प्रशिक्षण के बारे में बात की।

इसरो के अनुसार, गगनयान कार्यक्रम का उद्देश्य तीन दिनों के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा में मानवयुक्त अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित करने की भारत की क्षमता का प्रदर्शन करना है।

राष्ट्रपति मुर्मू की वृंदावन यात्रा के लिए 'प्रेसिडेंट स्पेशल' के रूप में चलेगी सबसे शानदार ट्रेन

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रेलवे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बृहस्पतिवार सुबह नई दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से मथुरा के पास वृंदावन रोड स्टेशन तक ले जाने के लिए दुनिया की सबसे शानदार ट्रेन में से एक महाराजा एक्सप्रेस का इस्तेमाल करेगा।

यह ट्रेन सर्दियों के दौरान उच्च श्रेणी के पर्यटकों के लिए भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा संचालित की जाती है।

रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, 18 डिब्बों वाली इस ट्रेन में महाराजा एक्सप्रेस के 12 डिब्बे होंगे, जिनमें एक प्रेसिडेंशियल सुइट, डीलक्स सुइट, रेस्तरां, लाउंज और राष्ट्रपति और उनके कर्मचारियों के लिए पावर कार शामिल होंगी। इसमें रेलवे के वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए दो मानक एसी डिब्बे भी होंगे। उन्होंने बताया, निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए विशेष ट्रेन में दो इंजन लगाए जाएंगे। एक इंजन चालू रहेगा, जबकि दूसरा तकनीकी समस्याओं से निपटने के लिए रहेगा।

सूत्रों ने बताया कि ट्रेन सुबह करीब आठ बजे सफदरजंग स्टेशन से रवाना होगी और करीब 10 बजे वृंदावन रोड स्टेशन पहुंचेगी।

राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, दौरे के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर, निधिवन और कुब्जा कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। वह वृंदावन में सुदामा कुटी भी जाएंगी और मथुरा में श्री कृष्ण जन्मस्थान में दर्शन और पूजा करेंगी

एक अधिकारी ने कहा, चूंकि श्री कृष्ण जन्मस्थान मंदिर मथुरा जंक्शन के नजदीक स्थित है, इसलिए राष्ट्रपति शाम को वापसी यात्रा के लिए वहां से विशेष ट्रेन में सवार होंगी।

सूत्रों ने बताया कि रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों, स्टेशन मास्टरों, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के कर्मियों तथा अन्य संबंधित कर्मचारियों को पूरे मार्ग पर निर्धारित ड्यूटी के समय उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

रेलवे सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक और गंतव्य स्टेशन दो अलग-अलग रेलवे जोन उत्तर रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे के अंतर्गत आते हैं और दोनों जोन को सुचारू और सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने के लिए निकट समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने जून 2023 में विशेष ट्रेन से यात्रा की थी, जब वह भुवनेश्वर से ओडिशा के अपने गृहनगर रायरंगपुर गईं थीं।

प्रदर्शन

ओडिशा प्रदेश महिला कांग्रेस (ओपीएमसी) की सदस्यों और समर्थकों को बुधवार को भुवनेश्वर में राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा के खिलाफ राज्य विधानसभा का घेराव करने के लिए प्रदर्शन मार्च निकालते समय पुलिसकर्मियों ने रोका।

चीन ने रूसी तेल खरीद पर ट्रंप की आलोचनाओं को खारिज किया, कहा- अमेरिका, ईयू भी रूस से व्यापार कर रहे

बीजिंग/भाषा। चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस आलोचना को खारिज कर दिया कि भारत और चीन रूसी तेल की खरीद के जरिये यूक्रेन युद्ध के ''प्राथमिक वित्तपोषक'' हैं और बुधवार को कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) भी मास्को के साथ व्यापार कर रहे हैं।

यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने चेतावनी दी कि यदि रूस के साथ उनकी कंपनियों के सामान्य व्यापार में बाधा उत्पन्न की जाती है तो बीजिंग अपने हितों की रक्षा के लिए जवाबी कदम उठाएगा। उन्होंने ट्रंप की आलोचना को खारिज कर दिया। उन्होंने अमेरिकी नेता को याद दिलाया कि वाशिंगटन भी मास्को के साथ व्यापार कर रहा है और कहा, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित अनेक देश रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं।। गुओ ने कहा कि चीनी और रूसी कंपनियों का सामान्य आदान-प्रदान और सहयोग विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों और बाजार सिद्धांतों के अनुरूप है। साथ ही उन्होंने कहा कि बीजिंग की कार्रवाई किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ लक्षित नहीं है और इसमें हस्तक्षेप या प्रभाव डालना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी दोहराया कि चीन ने यूक्रेन संकट पर हमेशा एक वस्तुनिष्ठ और न्यायसंगत रुख बनाए रखा है और लगातार शांति वार्ताओं का आह्वान किया है।

प्रवक्ता ने कहा, चीन अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में ट्रंप ने चीन और भारत पर रूसी तेल खरीद जारी रखकर यूक्रेन युद्ध के प्राथमिक वित्तपोषक होने का आरोप लगाया। उन्होंने रूस से यूरोपीय संघ के निरंतर ऊर्जा आयात की आलोचना की, लेकिन वाशिंगटन के मास्को के साथ अपने व्यापार को लेकर विशेष रूप से चुप्पी साधे रहे।

भारतीय कहानियों का असली उत्सव है नेशनल अवॉर्डः राधिका लावु

मुंबई/एजेन्सी

एलनार फिल्म्स की क्रिटिक्स द्वारा तारीफ़ की गई हिंदी शॉर्ट फिल्म गिद्ध द स्कैवेंजर, जिसे प्रोड्यूस किया है राधिका लावु ने, 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट फिल्म (हिंदी) का ख़िताब जीतकर एक बार फिर भारतीय कहानियों की ताक़त साबित कर दी है। इसमें दिग्गज अभिनेता संजय मिश्रा मुख्य भूमिका में हैं और निर्देशन अवॉर्ड-विनिंग निर्देशक मनीष सैनी ने किया है। 24 मिनट की यह फिल्म भूख और अपराध-बोध के टकराव की मार्मिक कहानी पेश करती है।

नेशनल अवॉर्ड्स भारतीय सिनेमा में सबसे बड़ी पहचान हैं और यह जीत हमारी मेहनत और जुनून की पुष्टि करती है। गिद्ध जीवन और नैतिकता के नाजुक संतुलन को दिखाती हैएक ऐसा विषय जो भाषा और सीमाओं से परे भी गूंजता है। मैं अपने विज़नरी डायरेक्टर मनीष सैनी, एक्स्ट्राऑर्डिनरी संजय मिश्रा सर और हमारी पूरी टीम का दिल से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने इस प्रोजेक्ट में अपने दिल और आत्मा को डाल दिया।

उन्होंने आगे कहा, यह अवॉर्ड भारतीय कहानी कहने की ताक़त का जश्न है। यह एलनार फिल्म्स के मिशन को और मजबूत करता हैजो फियरलेस नैरेटिव्स और विविध आवाज़ों को दुनिया तक पहुँचाने का काम करता है।

राधिका लावु, जिन्हें भारत की प्रमुख युवा प्रोड्यूसरों में गिना जाता है और बिज़नेसवर्ल्ड 40 अंडर 40 अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है, ने एलनार फिल्म्स को एक क्रिएटिव पावरहाउस के रूप में स्थापित किया है। उनका पोर्टफोलियो शामिल है रललश्ररळाशव प्रोजेक्ट्स जैसे गॉड्स ऑफ धर्मपुरी (ज़ी5), अनहर्ड (डिज़्नी+ हॉटस्टार), और अदृश्य जलकंगल (नेटफ्लिक्स)। गिद्ध के साथ, वे भारतीय सिनेमा को नई ऊँचाइयों पर ले जा रही हैं। हाल ही में रिलीज़ हुई अमेज़न ओरिजिनल तेलुगु फिल्म उप्पु काप्पुरंबु, जिसमें कीर्ति सुरेश और सुहास हैं, ने दर्शकों का दिल जीत लिया। एलनार फिल्म्स आगे भी विभिन्न भाषाओं और शैली की कहानियाँ प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें आने वाले प्रोजेक्ट्स हैं ब्विजा (मलयालम) और मिनिमम (हिंदी)। फिल्म की कहानी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी तारीफ़ बटोरी हैशॉर्ट शॉर्ट्स फिल्म फेस्टिवल एंड एशिया 2023 में बेस्ट शॉर्ट अवॉर्ड, अकादमी अवॉर्ड्स के लिए क्वालिफ़ाई, एलए शॉर्ट्स इंटरनेशनल, क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड्स (दो पुरस्कार), बेंगलुरु इंटरनेशनल, और रोड आइलैंड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में भी चयन। राधिका लावु, एलनार फिल्म्स की फाउंडर और प्रोड्यूसर ने कहा, 71वें नेशनल अवॉर्ड को पाना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है।

सलमान खान के घर पर गोलीबारी : बिश्नोई गिरोह के सदस्य की जमानत याचिका खारिज

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुंबई की एक विशेष अदालत ने पिछले साल अभिनेता सलमान खान के आवास पर हुई गोलीबारी की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के एक कथित सदस्य को जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया। महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) अदालत के न्यायाधीश महेश जाधव ने मोहम्मद रफीक सरदार चौधरी की ज़मानत याचिका खारिज कर दी। विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं कराया गया है। मुंबई के बांद्रा पश्चिम में सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर 14 अप्रैल 2024 की सुबह बाइक सवार दो व्यक्तियों विक्की गुप्ता और सागर पाल गोलीबारी कर फरार हो गए थे।

'कांतारा: चैप्टर 1' में राजकुमारी कनकवती की भूमिका में नजर आयेंगी रुक्मिणी वसंत

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत फिल्म कांतारा: चैप्टर 1 में राजकुमारी कनकवती की भूमिका में नजर आयेंगी। होम्बले फिल्म्स की ऋषभ शेट्टी स्टारर कंतारा: चैप्टर 1 का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है। ट्रेलर में रुक्मिणी वसंत, राजकुमारी कनकवती की भूमिका में नजर आ रही हैं।फ़िरोज़ी रंग की सुनहरी बॉर्डर वाली ओढ़नी, गहनों से लदा-फदा शाही शृंगार भारी हार, चूड़ियों की कतार, झुमके, बाजूबंद, कमरपट्टा, नथनी और मांगटीका इन सबमें रुक्मिणी का अंदाज़ बिल्कुल अमर शान का एहसास कराता है। हल्का-सा चमकीला श्रृंगार और नन्हीं बिंदी उनकी गरिमा और दमख़म का परफ़ेक्ट संतुलन दिखाते हैं। रुक्मिणी वसंत ने कहा, , मेरे लिए राजकुमारी कनकवती की यात्रा ज़िंदगी की सबसे ख़ास राह रही। सिर्फ़ शाही दिखना मक़सद नहीं था बल्कि हर हाव-भाव में अपनी मिट्टी, अपनी लोककथा और अपनी आस्था को जीना था। शायद इसी वजह से ट्रेलर इतना असरदार बन पड़ा, क्योंकि इसमें पूरी संस्कृति की रूह चमक रही है। कनकवती शाही हैं, हाँ, लेकिन साथ ही इंसानी और संवेदनशील भी। मुझे उनकी गरिमा के साथ-साथ उनका जज़्बा भी अपनाना पड़ा। अब बेसब्री से इंतज़ार है कि लोग उन्हें सिनेमा घरों में देखें। 'कंतारा: चैप्टर 1' ,दो अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी।

मुझे अपने देश पर अटूट विश्वास है,अब समय आ गया है कि हम दुनिया को दिखाएं कि हम कितने सक्षम हैं : अभिषेक बच्चन

मुंबई/एजेन्सी

जैसे-जैसे भारत एशिया कप और एशियन गेम्स में शानदार जीत हासिल कर रहा है, अभिषेक बच्चन देश की एंटरप्रेन्योर और खेल की भावना का जश्न मनाने वाली एक सशक्त आवाज़ बनकर उभरे हैं। सिनेमा से हट कर, उन्होंने एक जुनूनी खेल प्रेमी और 'मेक इन इंडिया' के इंडिया में गहरा विश्वास रखने वाले समर्थक के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई है। प्रो कबड्डी लीग की सबसे प्रतिष्ठित टीमों में से एक, जयपुर पिंक पैंथर्स का उनका स्वामित्व इसी विश्वास को दर्शाता है। जब उनसे सिनेमा से बाहर उनके सबसे संतोषजनक कदम के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बिना हिचक अपनी टीम का ज़िक्र कियाएक ऐसा प्रयास जो उनकी सोच को पूरी तरह दर्शाता है। उनकी प्रो कबड्डी लीग टीम। पैंथर्स, जो लगातार बड़ी होती फैनबेस को प्रेरित कर रही है, इस बात का प्रतीक हैं कि कैसे कबड्डी जैसे स्वदेशी खेल को वैश्विक मंच पा सकता है।

लेकिन उनका विज़न केवल कबड्डी तक सीमित नहीं है। वहदाम टीज़ और नागिन सॉस जैसे घरेलू ब्रांड्स में निवेश के ज़रिए अभिषेक लगातार भारत की श्रेष्ठता से जुड़ी पहलों को समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने कहा,चाहे वह कबड्डी हो, या वहदाम टीज़, या नागिन सॉस, या फिर कोई भी चीज़ जिसमें मैं और हमारा फैमिली ऑफिस शामिल हैंउसका बड़ा हिस्सा 'मेक इन इंडिया' की सोच से प्रेरित है। और यह एक ऐसी सोच है, जिस पर मैं विश्वास करता हूं। साथ ही, अभिषेक अपने अभिनय में भी लगातार रचनात्मक सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। गुरु और ब्लफ़मास्टर जैसी प्रशंसित फिल्मों से लेकर 'दसवीं,' 'लूडो,' 'बॉब बिस्वास,' 'कालीधर लापता' और 'घूमर' जैसी हालिया हिट फिल्मों तक, उनकी फ़िल्मोग्राफी एक दुर्लभ संतुलन को दर्शाती हैमुख्यधारा की लोकप्रियता के साथ-साथ ऐसी दमदार अदाकारी, जिसे आलोचकों की भी सराहना मिलती है। इतने विविध कार्यों के साथ, 2025 उनकी सिनेमाई यात्रा में एक निर्णायक वर्ष साबित हो रहा है।

चाहे वह सिनेमा हो, खेलों की टीम का स्वामित्व या भारतीय मूल के व्यवसायों में निवेशअभिषेक बच्चन एक व्यापक सोच का प्रतिनिधित्व करते हैं: भारत की असली ताकत अपनी संस्कृति से जुड़े रहते हुए वैश्विक मंच पर इनोवेशन करने, प्रेरणा देने और प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता में निहित है। अभिषेक ने हाल ही में एक बातचीत में इस बात पर ज़ोर देते हुए कहा, मुझे अपने देश, हमारी क्षमताओं और योग्यताओं पर अपार विश्वास है। और मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हम दुनिया को दिखाएँ कि हम क्या कर सकते हैं।

मोदी और योगी आदित्यनाथ भगवान के बंदे, इनका इरादा गलत नहीं हो सकताः बिंदु दारा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता बिंदु दारा सिंह हाल ही में बिहार के दौरे पर थे। उन्होंने बिहार के मौजूदा हालात, पीएम मोदी की वैश्विक छवि, जीएसटी सुधारों के बारे में विस्तार से चर्चा की। बिंदु दारा सिंह ने कहा कि बिहार में पीएम नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और उनकी नीतियों की गूंज हर तरफ सुनाई दे रही है। उन्होंने कहा, मोदी जी की गूंज न सिर्फ बिहार या भारत तक सीमित है, बल्कि यह अमेरिका जैसे देशों तक पहुंच रही है। पहले दुनिया अमेरिका की बात सुनती थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि भारत पहले आता है। 'इंडिया फर्स्ट' उनकी नीति है और वह हर कदम पर देशहित को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने भारत-रूस संबंधों की तारीफ करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने वैश्विक मंच पर भारत की ताकत को स्थापित किया है। भारत और रूस के बीच गहरी दोस्ती है और यह दुनिया को दिखाई दे रहा है।

अभिनेता बिंदु दारा सिंह ने कहा कि अगर भारत, रूस और चीन जैसे देश एक साथ मिलकर एक मजबूत गठजोड़ बनाएं, तो हमें किसी की जरूरत नहीं पड़ेगी। ब्रिक्स में जितनी सारी कंट्रीज पीसफुल हैं, जो प्यार से और अमन शांति से रहती हैं, वे सब ब्रिक्स को जॉइन कर लें और ब्रिक्स पीसफुल हो जाए, क्योंकि अभी ये वॉर-वॉर बहुत गलत है। वैश्विक हालात पर चिंता जताते हुए बिंदु दारा सिंह ने कहा कि दुनिया में युद्ध और हिंसा का माहौल सही नहीं है। आजकल कोई भी देश किसी पर भी मिसाइल दाग देता है। यह गलत है। भारत ने पाकिस्तान के साथ दो दिन में युद्ध खत्म कर दिया और शांति स्थापित की। यह हमारी ताकत है। हमें युद्ध नहीं, बल्कि शांति चाहिए।

बिंदु दारा सिंह ने पीएम नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि दोनों नेता देश और समाज के लिए समर्पित हैं। दोनों पर आरोप लगाना गलत है। ये दोनों भगवान के बंदे हैं, जो देश के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। इनका इरादा कभी गलत नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में पेश किए गए नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधारों पर बिंदु दारा सिंह ने अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने भारत की अर्थव्यवस्था को गति दी है, लेकिन इसमें अभी और सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा, जीएसटी एक जटिल विषय है। 28% टैक्स दर बहुत ज्यादा थी, जिससे कारोबारियों को परेशानी हुई। मैं चाहता हूं कि जीएसटी को सरल बनाया जाए और एक फ्लैट रेट, जैसे 5% या 10%, लागू हो। इससे कारोबारियों को राहत मिलेगी और कन्फ्यूजन खत्म होगा।

उन्होंने कहा, हमारे पास पूरे भारत में 8500 सैलून का कारोबार है। जीएसटी की जटिलताओं की वजह से हमें इनपुट टैक्स क्रेडिट और अन्य मुद्दों में दिक्कत होती है। अगर जीएसटी को और सरल किया जाए, तो यह कारोबारियों के लिए वरदान होगा। उन्होंने वित्त मंत्री की तारीफ करते हुए कहा, निर्मला सीतारमण ने शानदार काम किया है। पहले हमें लगता था कि क्या फाइनेंस मिनिस्टर है, लेकिन अब लगता है कि वाह, क्या काम कर रही हैं। सरकारी खजाना भरा हुआ है और यह देश की प्रगति का सबूत है। बिंदु दारा सिंह ने उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के साथ अपनी हालिया मुलाकात का जिक्र भी किया। उन्होंने बताया कि वे बृजेश पाठक को अयोध्या में होने वाली रामलीला में आमंत्रित करने गए थे। उन्होंने कहा, बृजेश पाठक हमारे लिए परिवार की तरह हैं। वे सुबह 5 बजे से रात 1 बजे तक काम करते हैं। उनकी मेहनत और समर्पण गजब का है। उन्होंने बताया कि इस बार अयोध्या की रामलीला में रावण दहन का कार्यक्रम बृजेश पाठक करेंगे। हमने उन्हें न्योता दिया है और वे इस बार रामलीला में शामिल होंगे। यह हमारे लिए गर्व की बात है।

छोरियाँ चली गाँव में कृष्णा श्रॉफ बनी छोरी नंबर 1 साथ ही घर की मालकिन भी बनी

मुंबई/एजेन्सी

ज़ी टीवी के रियलिटी शो 'छोरियां चली गांव' में कृष्णा श्रॉफ के लिए यह दिन दोहरी जीत लेकर आया। वह सिर्फ 'छोरी नंबर 1' ही नहीं बनीं, बल्कि पहली बार घर की 'मालकिन' के रूप में भी उभरीं। हाल ही में हुए शो के 'महा परीक्षा' राउंड में कृष्णा ने अपनी टीम मेट, बेस्ट फ्रेंड और प्रतियोगी एरिका पैकार्ड के साथ मिलकर अंजुम फकीह और समृद्धि मेहरा के खिलाफ ज़बरदस्त मुकाबला किया।

शो में उनका सफर एकदम 360 डिग्री बदलाव जैसा रहा हैशुरुआत में जो कृष्णा थी, और जो अब बनी हैंउनमें ज़मीन-आसमान का फर्क है। और दिलचस्प बात ये है कि उन्होंने खुद पहले ही ये भविष्यवाणी कर दी थी। लेकिन यह जीत सिर्फ़ ताकत की नहीं थी। यह एक फुल सर्कल मोमेंट था। शो की शुरुआत से ही कृष्णा श्रॉफ ने दर्शकों को अपने परिवर्तन से चौंकाया हैअपनी सीमाएं लांघकर, सच्चाई के साथ टिके रहकर, और ऐसी नेतृत्व क्षमता और आत्मबल दिखाकर जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी।

उनका यह सफर न सिर्फ दर्शकों बल्कि बमुलिया गांव के लोगों के दिलों को भी छू गया है, जिन्होंने उन्हें अब अपने परिवार जैसा अपनाया है। ऑनलाइन भी, नेटिज़न्स और प्रशंसक उन्हें शो की सबसे मज़बूत और सबसे प्रामाणिक दावेदारों में से एक बता रहे हैं, और हफ़्ते-दर-हफ़्ते लगातार उनका समर्थन कर रहे हैं। इस राउंड का नाम था 'खींच पकड़ के'यानी रस्साकशी का खेल। दो ज़बरदस्त मुकाबले और कड़ी मेहनत के बाद, कृष्णा और एरिका ने जीत हासिल की और साबित कर दिया कि वे घर की सबसे मज़बूत जोड़ियों में से एक क्यों हैं। और जैसा कि हम कह सकते हैंयह जीत पूरी तरह से सही इंसान के हिस्से आई। कृष्णा न सिर्फ फिर से 'छोरी नंबर 1' बनीं, बल्कि पहली बार घर की मालकिन भी बन गईं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | गुरुवार | 25-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

नवरात्रि पर दधिमति सेवा धाम में अमृतवाणी सत्संग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहुकारपेट स्थित मां दधिमति सेवा धाम में परमधाम अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार की ओर से विशेष सत्संग का आयोजन 23 सितम्बर को किया गया। रात्रि8 से10 बजे तक आयोजित अमृतवाणी पाठ और माता रानी के भजनों की प्रस्तुति दी गई। अमृतवाणी परिवार के सदस्यों के द्वारा माता रानी को चुनरी उड़ाई गई तथा सभी भक्तों को दधिमती परिवार द्वारा चुनरी उड़ा कर स्वागत किया गया। यह जानकारी मंडल के सदस्य अरविंद कुमार दाधीच ने दी है।

सोजत जैन संघ तमिलनाडु का वार्षिक स्नेह-मिलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री सोजत जैन संघ तमिलनाडु के तत्वाधान में संघ का वार्षिक स्नेह-मिलन काकटुर जैन तीर्थ नेल्लूर में आयोजित किया गया। इसमें चेन्नई से सोजत निवासी करीब 200 सदस्यों इस स्नेह मिलन में भाग लिया। संघ के द्वारा चेन्नई से शनिवार सायं बसों से काकटुर तीर्थ पहुंचे वहां रात्रि विश्राम रहा। रविवार प्रातः मंदिर दर्शन पूजा व सभी सदस्यों का बांठिया परिवार की ओर से तिलक करके सम्मान किया गया । उसके पश्चात साधारण सभा अध्यक्ष दौलतराज बांठिया की अध्यक्षता में शुरू की गई। मंगलाचरण से कार्यक्रम शुरू किया गया। दौलत राज बांठिया ने स्वागत भाषण दिया। तपस्यार्थी का सम्मान खारीवाल परिवार की ओर से व उच्च शिक्षा प्राप्त छात्रों का सम्मान बोकडिया परिवार किसी और से एवं अन्य संघ के पदाधिकारी का स्वागत भंडारी परिवार की ओर से किया गया। संपूर्ण बस के लाभार्थी झामबर परिवार रहा। पत्रिका में जय जिनेंद्र के लाभार्थी लुकड़ परिवार ने लिया। संघ के द्वारा स्नेह मिलन के सभी लाभार्थियों का अभिनंदन किया गया एवं नए पदाधिकारी को संघ का कार्यभार सौंपा गया। सुलूरपेठ गौशाला, 52 जिनालय जैन तीर्थ दर्शन किए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संघ के उपाध्यक्ष शांतिलाल पगारिया, मंत्री महावीरचंद बांठिया, सहमंत्री मनोज लोढ़ा, कोषाध्यक्ष ढगलचंद भंडारी, अशोक बौकड़िया, प्रसन्न झामड़, प्रकाश खारीवाल वह कार्यकारिणी सदस्यों एवम यूथ विंग के आशीष धारीवाल, पवन लोढ़ा, रोशन बांठिया, लखपत लोढ़ा आदि का सहयोग रहा व मंत्री महावीरचंद बांठिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विमोचन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एसआरएमआईएसटी) के कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस विभाग ने आईएनएफआईटीटी-उत्तमम के सहयोग से कट्टनकुलथुर परिसर में तमिल कंप्यूटिंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस मौके पर एसआरएमआईएसटी में स्मारिका और तमिल प्रौद्योगिकी प्रकाशनों का संयुक्त रूप से विमोचन एसआरएमआईएसटी के कुलपति डॉ. सी. मुथामिझचेलवन, आईएनएफआईटीटी-उत्तमम के अध्यक्ष भास्कर, तमिलनाडु ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. एस. अरुमुगम, तमिल वर्चुअल अकादमी के संयुक्त निदेशक डॉ. आर. कोमाहन, आईएनएफआईटीटी-उत्तमम के भारतीय प्रभाग के प्रमुख राम सुगंधन, एसआरएमआईएसटी के कंप्यूटिंग स्कूल की अध्यक्ष डॉ. रेवती वेंकटरमन आदि ने किया।

नेत्र शिविर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में 24 सितम्बरको अविशा स्माइल्स डेंटल क्लिनिक में 28वा निशुल्क नेत्र शिविर लगाया गया। यह शिविर नेमीचंद कमला देवी सिंघवी, कुचेरा(नागौर जिला), संगम ग्रुप, और एम एन आई हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया था। यह शिविर में महिपाल सिंघवी, रणजीत शाह, डॉ. योगीता और हितेश का योगदान रहा। कुल 27 लोगों की आंखों की जांच की गई। जिसमें तीन लोगों को नि:शुल्क मोतियाबिन्द का ऑपरेशन दिवाली के बाद कराया जाएगा। अगला शिविर 8 अक्टूबर को होगा।

वात्सल्य,करुणा और ममता का दूसरा नाम माँ है : राष्ट्रसंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने प्रवचन में कहा कि वात्सल्य करुणा और ममता का दूसरा नाम ही माता है। वह की किसी को कष्ट देना तो दूर सपने में कल्पना भी नहीं कर सकती है, दूसरों का कष्ट मिटाने के लिए अपना सर्वस्व लुटा देती है। नवरात्रि के तीसरे दिन संबोधित करते उन्होंने कहा जिसके मन मंदिर में करुणा रुपी सिंहासन विद्यमान है वहीं पर देवी विराजमान होगी। देवी देवता धर्म और महापुरुषों के नाम पर किसी भी प्राणी को तनिक कष्ट देना महापुरुषों को मौत के घाट उतारने के समान है।

मुनि कमलेश ने बताया कि बेटा कपूत हो जाएगा लेकिन मां कभी कुमाता नहीं होगी। जिसकी आराधना करते हैं वह तो पूरे विश्व की मां है। स्वार्थी तत्वों ने अपनी पूर्ति के लिए धर्म और भगवान का सहारा लेकर नशा और हिंसा को मान्यता प्रदान की धार्मिक सिद्धांतों के साथ छेड़छाड़ की उससे बड़ा सेधर्म का और दुश्मन कोई नहीं हो सकता। धर्म के नाम पर देवी देवताओं के सामने नरबलि पशु बलि करना घोर अज्ञानता है। किसी को तकलीफ देंगे तो माता कभी खुश होने वाली नहीं है। उसकी संतानों से प्यार करोगे तो वह प्रसन्न होगी।

गरुड़ ध्वजारोहणम् के आरंभ हुआ ब्रह्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुमला। तिरुमला में नौ दिवसीय वार्षिक ब्रह्मोत्सव का शुभारंभ बुधवार सायंकाल भव्य धार्मिक उत्साह के साथ पवित्र गरुड़ ध्वजारोहणम् के आयोजन से हुआ। परंपरागत रूप से ध्वजारोहणम् कहलाने वाला यह पवित्र अनुष्ठान, जिसमें गरुड़ आलवार (भगवान विष्णु के दिव्य वाहन) की छवि अंकित ध्वज मंदिर के ध्वजस्तंभ पर फहराया जाता है, का मुख्य उद्देश्य सभी 14 लोकों के देवताओं एवं दिव्य शक्तियों को ब्रह्मोत्सव में आमंत्रित करना है। इस अनुष्ठान के दौरान आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण किया गया। शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण हुआ। इससे पूर्व गरुड़ पताकम् तथा परिवार देवताओं अनंत, गरुड़, चक्रत्तालवार और विष्वक्सेन की शोभायात्रा चार माड़ा गलियों में निकाली गई। इसी क्रम में स्वर्ण त्रुची पर श्री मालयप्प स्वामी, श्रीदेवी और भूदेवी ने भी भक्तों को दर्शन दिए।

इस अवसर पर टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड अध्यक्ष बी.आर. नायडू, ईओ अनिल कुमार सिंगल, कंकणभट्टार वेणुगोपाल दीक्षितुलु सहित बोर्ड सदस्य, अधिकारी और मंदिर कर्मचारी उपस्थित रहे।

करणी माता का जन्मोत्सव 28 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री तमिलनाडु चारण समाज चेन्नई के तत्वाधान में श्री करणी माताजी का जन्मोत्सव 28 सितम्बर को मनाया जा रहा है। हिंगलाजदान चारण आकली ने बताया कि कार्यक्रम रविवार सुबह 09:15 बजे पूजा अर्चना से शुरू होगा। अतिथि स्वागत एवं संबोधन होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बलवंत दान चारण, सुप्रीडेंट ऑफ कस्टम होंगे। विशिष्ट अतिथि अरविंद कुमार चारण अप्रेसर आफिसर कस्टम होंगे।

कमल हासन ने दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर मोहनलाल को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता कमल हासन ने मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बुधवार को बधाई दी और उन्हें एक सच्चा कलाकार बताया जिससे कई पीढ़ियां प्रेरित होंगी। हासन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में अपनी फिल्म उन्नैपोल ओरुवन के सह-कलाकार मोहनलाल की सराहना की। हासन ने लिखा, अपने प्रिय मित्र मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित होते देखकर बहुत खुशी हुई। एक सच्चे कलाकार, जिनकी कला ने लाखों लोगों को छुआ है और पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

पांच दशकों के उल्लेखनीय करियर में 'इरुवर', 'वानप्रस्थम' और 'दृश्यम' जैसी कई उल्लेखनीय फिल्मों का हिस्सा रहे मोहनलाल (65) को मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 2023 के दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया। मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार ने अपना पुरस्कार अपने राज्य के सिनेमा के साथ-साथ दर्शकों को भी समर्पित किया।

मोहनलाल ने कहा कि सिनेमा के क्षेत्र में देश का सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करना उनके लिए ''करिश्माई और पवित्र'' है, जिसे उन्होंने मलयालम सिनेमा और इसके दर्शकों को समर्पित किया। मोहनलाल ने कहा मलयालम फिल्म उद्योग के प्रतिनिधि के रूप में, मैं इस राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित होने वाला सबसे कम उम्र का और राज्य का दूसरा व्यक्ति होने पर बहुत प्रसन्न हूं। यह क्षण केवल मेरा नहीं है, यह मलयालम सिनेमा जगत का है।

तेरापंथ भवन में 'सम्यक दर्शन कार्यशाला' का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ युवक परिषद, बेंगलूरु द्वारा आचार्य भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष के अंतर्गत आचार्य भिक्षु पुस्तक पर आधारित 'सम्यक दर्शन कार्यशाला-2025' का आयोजन तेरापंथ भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में चल रहा है। मुनिश्री के सान्निध्य और मार्गदर्शन ने सभी प्रतिभागियों को गहन आध्यात्मिक अध्ययन और आत्मचिंतन का अवसर प्रदान किया।

संयम और ज्ञान से ही संभव मोक्ष : पंन्यास विमल पुण्यविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में विराजित पंन्यास विमल पुण्यविजयजी महाराज ने बुधवार को अपने शास्त्रीय प्रवचन में सम्यक्त्व को स्थिर रखने वाली आस्थाओं की गहन विवेचना की। उन्होंने कहा कि आत्मा कर्ता के साथ-साथ भोक्ता भी है। आत्मा निश्चय से अपने गुणों में रमण करता है, जबकि व्यवहार रूप से वही आत्मा पुण्य और पाप का भोक्ता है। पुण्य और पाप से जो फल मिलता है, उसे स्वीकार करना ही समकित है। गुरुदेव ने स्पष्ट किया कि जैसे दूध में यदि शक्कर की जगह नमक पड़ जाए, तो भी उसे दूध समझकर पी लेना, यही समकित दृष्टि है। उसी तरह आत्मा के स्वभाव में स्थिर रहना ही सच्चा सम्यक्त्व है।

उन्होंने कहा कि क्रिया और साधना के माध्यम से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव है। आत्मा शुद्ध चैतन्यस्वरूप है, देहयुक्त और देहमुक्त दोनों अवस्थाओं में। सांसारिक भौतिक पदार्थ मिलते हैं, पर टिकते नहीं। जबकि मोक्ष में मिलने और टिकने वाला अनंत सुख निश्चित है।

प्रवचन में उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि तन में आधि-व्याधि आती है, लेकिन जब तक मन उससे नहीं जुड़ता, आत्मा में अस्थिरता नहीं आती। शरीर में रोग प्रकट हो तो तन दुखी होता है, पर मन को दुखी हम स्वयं करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संयम और ज्ञान, दोनों से ही मोक्ष संभव है। ज्ञान ही सत्य है, उसके बिना की क्रिया मिथ्या है। हम प्रभु के आगमन की प्रार्थना करते हैं, परंतु प्रभु ज्ञानरूप में ही प्रकट होते हैं, क्रियात्मक रूप से नहीं। अंत में पंन्यासश्री ने कहा कि सिद्धांत सभी पक्षों को साधता है और अप्रमत्त क्रिया का साधक बनाता है।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अणुव्रत समिति चेन्नई ने पुडुचेरी मुख्यमंत्री एन रंगास्वामी से उनके आवास स्थल पर मुलाकात कर उन्हें अणुव्रत आंदोलन के बारे में बताते हुए नशामुक्ति कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की। अणुव्रत समिति चेन्नई की अध्यक्ष सुभद्रा लुणावत ने मुख्यमंत्री को अणुव्रत दुपट्टा पहनाया। उपाध्यक्ष स्वरूप चन्द दाँती, मंत्री कुशलराज बाँठिया ने अणुव्रत आचार संहिता पट्ट प्रदान किया। राज्य प्रभारी भरत डी मरलेचा के साथ पुडुचेरी तेरापंथ उपसभा संयोजक हेमराज कुंड़लिया, सहसंयोजक कनकराज सुराणा, धनसुख सेठिया ने अणुव्रत की तमिल भाषा में लिखित पुस्तकें भेट की। अणुव्रत समिति के निवेदन पर मुख्यमंत्री ने अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अंतर्गत आगामी चार अक्टूबर को पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करने की स्वीकृत प्रदान की और आश्वासन दिया कि पुडुचेरी के विद्यालय पुस्तकालय में तमिल अणुव्रत पुस्तकों का उपयोग किया जाएगा।

ताकत सुधारने वाले में नहीं, सुधरने वाले में होती है : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजित डॉ. समकित मुनि म.सा. के सान्निध्य में पुष्पिसुणम सूत्र आराधना हुई। तत्पश्चात प्रवचन में मुनिश्री ने परदेशी राजा की कथा के माध्यम से बताया कि कैसे परदेशी राजा अच्छा बन गया और क्या संकल्प करना चाहिए - मुझे भी अच्छा बनना है। केवल इस संकल्प से ही हम अच्छे बन पाएंगे। मुनिश्री ने कहा कि आप सोचते हो कि गुरु हमारा ठीक कर देगा, भगवान ठीक कर देंगे, उपदेश-प्रवचन हमारा ठीक कर देंगे। इस पर मत रहो। क्योंकि यदि तुम गुरु-संत-भगवान के भक्त हो और उनके सामने ही आप झगड़ा करते हो तो कैसे कहोगे कि तुम गुरु की बात मानते हो। गुरु उस दिन दमदार होंगे जब उनके भक्त दमदार होंगे। ताकत सुधारने वाले में नहीं होती, ताकत सुधरने वाले में होती है। यदि दुनिया में अपने गुरु की पूजा करानी है तो पहले खुद को बदलना होगा, खुद को सुधरना होगा। उन्होनें कहा कि ध्यान रखो - गुरु को दमदार बनाने वाले भी भक्त होते हैं और गुरु का दम निकालने वाले भी भक्त होते हैं। यदि तुम अपने गुरु, अपने भगवान, अपने धर्म की दुनिया में पूजा करवाना चाहते हो तो पहले खुद को बदलना होगा। गुरु को पूजने वाले भी भक्त होते हैं; संत को महान बनाने वाले भी भक्त होते हैं और महान न बनाने वाले भी भक्त होते हैं। जिस भक्त के लिए भगवान उतने प्रभावशाली हैं, उसके लिए उसका भक्त भी उतना प्रभावशाली होता है। कई ऐसे धर्म-स्थान हैं जो वर्षों तक खाली थे और आज वहां भक्तों की कतार है। ये सब भक्तों का कमाल है। वे चाहे जितना ऊपर तक भगवान को पहुँचा सकते हैं। इसलिए ताकत सुधारने वाले में नहीं, सुधरने वाले में होनी चाहिए। और जिसे सुधारने की इच्छा ही नहीं है, उसे कोई नहीं सुधार सकता। तो शक्ति-शाली वही है जो सुधरने वाला हो, न कि केवल सुधारने वाला होना चाहिए।

सिर्फ इतना ध्यान रखो कि मैं अच्छा कैसे बन सकता हूँ। यही सम्भव है। इसलिए अपनी तैयारी क्या है, इस पर निर्भर रहता है और तैयारी ही अपना नतीजा देती है। स्वयं को अच्छा बनाने की अगर तैयारी अच्छी चल रही हो तो गुरु न मिले तब भी आगे बढ़ सकते हो; और तैयारी न हो तो चाहे कितने बड़े गुरु मिल जाएं क्या फ़ायदा? इसलिए संकल्प करो कि मुझे अच्छा बनना है तो काम आएगा; और यदि सोचो कि कोई मुझे अच्छा बनाएगा तो कुछ नहीं होगा। परदेशी राजा की कथा को उन्होंने आगे बढ़ाया। शनिवार को परदेशी राजा की कहानी का समापन होगा तथा रात्रि 8.15 बजे नवरात्रि का विशेष जाप होगा।मंच का संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

वर्तमान समय को सार्थक बनाएं : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराधययन सूत्र के चौथे अध्ययन पर विवेचना करते हुए कहा कि वर्तमान समय को सार्थक बनाएं। हमारा वर्तमान सार्थक हो गया तो समझो आपका भविष्य भी ठीक, सुधर जाएगा। जो प्राप्त समय का सदुपयोग कर लेता है उसे अपने जीवन के अंतिम समय में पछताना नहीं पड़ता है। संसार में सबसे ज्यादा मूल्यवान वस्तु कोई है तो वह समय है। समय सबसे बड़ी संपत्ति है क्योंकि जैसे बहता पानी वापस नहीं आता, वैसे ही जो समय बीत गया वह भी बाद में किसी भी कीमत पर वापस आने वाला नहीं है।ङ्कनरेशमुनिजी ने कहा कि जो समय को जानता है वही पंडित है। जो दान, सेवा, परोपकार, धर्म की आराधना आदि में अपने समय का सदुपयोग का लेता है उसी का जीवन श्रेष्ठ बन जाता है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.